MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | मंगलवार, 02 जून, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-150

शांति वार्ता ठप

इज़रायल के एक क़दम से भड़का ईरान

नयी दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

इजरायल और ईरान के बीच जंग रुकने की बातचीत चल रही थी और अमेरिका बीच में दूत बनकर काम कर रहा था, लेकिन इजरायल ने लेबनान में घुसकर एक पुराना किला कब्जा कर लिया। बस इसी एक कदम ने पूरी बातचीत को पटरी से उतार दिया। ईरान ने साफ कह दिया कि अब कोई बात नहीं होगी और आगे की धमकी इतनी बड़ी है कि पूरी दुनिया की सांसें थम सकती हैं। वहीं, दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दावा कर रहे हैं कि ईरान शांति वार्ता के लिए बेचैन है, लेकिन बस कुछ मुद्दों पर बात अटकी हुई है।

इजरायल और लेबनान की सीमा पर एक ताकतवर गुट है जिसका नाम है हिज्बुल्लाह। यह गुट ईरान के पैसे और हथियारों से चलता है। 2023 में जब इजरायल और गाजा के बीच जंग शुरू हुई, तो हिज्बुल्लाह ने भी इजरायल पर हमले शुरू कर दिए। उत्तरी इजरायल में रहने वाले लोगों की जिंदगी मुश्किल हो गई। इजरायल ने जवाब में हिज्बुल्लाह को काफी कमजोर कर दिया। 2024 के आखिर में अमेरिका की मदद से एक समझौता हुआ और कुछ समय के लिए लड़ाई रुकी, लेकिन यह शांति ज्यादा देर नहीं टिकी।

2 मार्च को हिज्बुल्लाह ने फिर से इजरायल पर हमला किया। इजरायल ने इसके जवाब में लेबनान में घुसकर जमीनी ऑपरेशन शुरू कर दिया। इजरायल का कहना है कि हिज्बुल्लाह फिर से हथियार जमा कर रहा था और एक नई तरह के ड्रोन से हमले कर रहा था जो फाइबर ऑप्टिक केबल से चलता है। यही ड्रोन यूक्रेन की जंग में भी खूब इस्तेमाल हो रहा है।

इस रविवार इजरायली सेना ने लेबनान के अंदर एक बहुत पुराना और ऊंचाई पर बना किला कब्जे में ले लिया। इसका नाम है बीफोर्ट या अल-शकीफ। यह किला करीब 700 मीटर ऊंचाई पर बना है और यहां से लेबनान और उत्तरी इजरायल दोनों साफ दिखते हैं। यह किला करीब 1000 साल पुराना है। इसे 12वीं सदी में बनाया गया था। इस पर सलाहुद्दीन की फौज, मम्लूक, ओटोमन, फ्रांस, फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन और इजरायल सब कब्जा जमा चुके हैं। इजरायल ने 1982 में इसे जीता था और 2000 में इसे छोड़ दिया था। अब 25 साल बाद इजरायल यहां वापस आया है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह किला इजरायली सेना की बहादुरी का प्रतीक है। लेकिन इजरायल के ही कुछ जानकार कह रहे हैं कि इससे कोई बड़ा फायदा नहीं होगा। एक पूर्व सरकारी अधिकारी ओर्ना मिजराही ने कहा कि लोगों के मन में यही सवाल है कि आखिर इस सबसे हासिल क्या होगा। उनका कहना है कि सिर्फ सैनिक ताकत से हिज्बुल्लाह की समस्या नहीं सुलझेगी, इसके लिए राजनीतिक रास्ता भी निकालना होगा।

इजरायल की सेना लेबनान के दक्षिण में बड़े इलाकों पर काबिज हो चुकी है। वहां घर और ऐतिहासिक जगहें तोड़ी जा रही हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने कहा कि इजरायल शहरों और कस्बों को पूरी तरह मिटाने की नीति पर चल रहा है। उनका यह भी कहना था कि इजरायल लेबनान की यादें मिटाने और लोगों की पहचान खत्म करने की कोशिश कर रहा है। इजरायल ने लेबनान के दक्षिणी इलाकों के लोगों को वहां से चले जाने की चेतावनी दी है। 3 मार्च से अब तक लेबनान में 3300 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं जिनमें दर्जनों बच्चे भी शामिल हैं। करीब 10 लाख लोग अपने घर छोड़ चुके हैं। राजधानी बेरूत में भी सैकड़ों लोग मारे गए हैं। अप्रैल में कुछ ही मिनटों में हुई भारी बमबारी में वहां काफी नुकसान हुआ। इजरायल की तरफ से 25 सैनिक और एक ठेकेदार मारे गए हैं। उत्तरी इजरायल में 2 आम नागरिकों की भी जान गई है।

बातचीत की कोशिश और हिज्बुल्लाह का इनकार

अप्रैल में वाशिंगटन में इजरायल और लेबनान के बीच सीधी बातचीत शुरू हुई। यह पिछले 30 से ज्यादा सालों में पहली बार हुआ क्योंकि इन दोनों देशों के बीच कोई राजनयिक रिश्ता नहीं है। ▶8पर

114 राफेल डील ने भरी 'उड़ान'

फ्रांस को रिक्वेस्ट लेटर

नयी दिल्ली, 01 जून (एजेंसियां)।

भारतीय वायु सेना की क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। भारत सरकार ने भारतीय वायु सेना के लिए 114 डसॉल्ट राफेल मल्टी-रोल फाइटर जेट्स की खरीद के लिए लेटर ऑफ रिक्वेस्ट को औपचारिक रूप से अंतिम रूप दे दिया है। करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाला यह सौदा भारत के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा लड़ाकू विमान रक्षा समझौता होने जा रहा है।

लेटर ऑफ रिक्वेस्ट एक आधिकारिक सरकारी दस्तावेज (जी-टू-जी) होता है, जिसके जरिए अंतर-सरकारी समझौते (आईजीऐ) के तहत बड़े रक्षा सौदों की प्रक्रिया शुरू की जाती है। इस आधिकारिक अनुरोध पत्र को आने वाले कुछ हफ्तों में औपचारिक रूप से फ्रांस सरकार को भेज दिया जाएगा।

इस मेगा डिफेंस डील की सबसे बड़ी खासियत इसका स्वदेशीकरण है। प्रस्तावित समझौते के अनुसार, कुल 114 विमानों में से लगभग 90 जेट विमानों का निर्माण मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में ही किया जाएगा। इसके लिए फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय निजी या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के साथ साझेदारी करेगी।

भारत में बनने वाले विमानों की सटीक संख्या 92 हो सकती है, जबकि बाकी बचे 22 विमान फ्रांस से सीधे फ्लाई-अवे (पूरी तरह से तैयार) स्थिति में भारत लाए जाएंगे। इस सौदे के तहत तैयार होने वाले विमानों में स्वदेशी पुरजों और तकनीक की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी होने की उम्मीद है। इस सौदे का मुख्य उद्देश्य वायुसेना के घटते स्क्वाड्रन की संख्या को संभालना और देश की हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाना है।

वायुसेना प्रमुख फ्रांस दौरे पर

यह महत्वपूर्ण घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब भारतीय वायु सेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह 1 जून से फ्रांस के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। भारत द्वारा 114 राफेल विमानों की खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बीच वायुसेना प्रमुख का यह दौरा बेहद रणनीतिक माना जा रहा है। अपने इस दौरे के दौरान एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह फ्रांस की प्रमुख रक्षा कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। इनमें राफेल विमान बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन और खतरनाक मिसाइल प्रणालियों का निर्माण करने वाली कंपनी एमबीडीए शामिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि वायु सेना प्रमुख के इस दौरे से राफेल अधिग्रहण की इस लंबी प्रक्रिया को तेजी मिलेगी।

डील की आगे की प्रक्रिया: कैसे बढ़ेगी बात?

भारत द्वारा लेटर ऑफ रिक्वेस्टृभेजे जाने के बाद जब फ्रांस सरकार इस पर अपनी प्रतिक्रिया देगी, तब भारत इस सौदे के लिए औपचारिक रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च संस्था, डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) ने वायुसेना के लिए इन राफेल विमानों की खरीद को पहले ही अपनी मंजूरी दे दी है। ▶8पर

तिरुपति से 38 किमी दूर अनोखा मंदिर

जहाँ भगवान को चढ़ती है लौकी

नयी दिल्ली, 01 जून (एजेंसियाँ)।

अगर आप इस बार आंध्र प्रदेश के तिरुपति घूमने का प्लान कर रहे हैं तो श्री सोराकायला स्वामी मंदिर आपकी लिस्ट में शामिल ज़रूर होना चाहिए। भीड़-भाड़ वाले प्रसिद्ध मंदिरों से हटकर यह जगह आपको सुकून और सादगी का एहसास कराएगी। यहाँ की सबसे खास बात है भगवान को चढ़ाई जाने वाली लौकी, जो इस मंदिर को बाकी मंदिरों से बिल्कुल अलग बनाती है। साथ ही, इस मंदिर के आसपास की खूबसूरत जगहें आपको एक परफेक्ट ऑफबीट ट्रैवल डेस्टिनेशन का भी एक्सपीरियंस कराएगीं। तो चलिए जानते हैं इस मंदिर की मान्यता और आसपास घूमने वाली जगहों के बारे में। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में पुत्तूर के पास नारायणवरम नाम की जगह पर स्थित श्री सोराकायला स्वामी मंदिर अपनी अलग पहचान के लिए जाना जाता है। मान्यता है कि यहाँ भगवान अवदूत रूप में धरती पर विराजमान हैं, जिनकी पूजा-उपासना श्री सोराकाया स्वामी के रूप में की जाती है। कहा जाता है कि श्री सोराकाया स्वामी का जन्म करीब 1875 के आसपास हुआ था। वे नारायणवरम के एक संत थे, ▶8पर

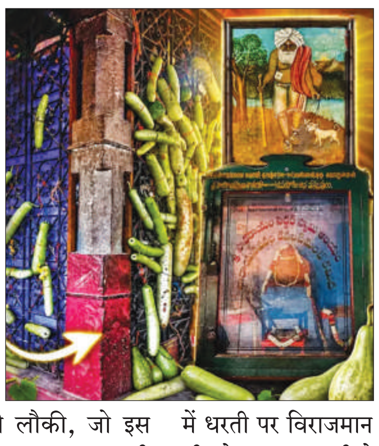

यूपी चुनाव नवंबर-दिसंबर में!

जनगणना अभियान बना वजह

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियाँ)।

उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन अब सूबे में वक्त से पहले ही चुनाव कराए जा सकते हैं। जनगणना की तरफ से निर्वाचन आयोग को बता दिया गया है कि फरवरी और मार्च में देश भर में राष्ट्रीय जन-गणना का काम तेज़ी से किया जाना है। कैबिनेट के ज़रिए इस समय सीमा को हरी झंडी दे दी गई है, जिसके चलते इसी साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव कराए जाने के कयास लगाए जाने लगे हैं। जनगणना अभियान के तहत प्रशासनिक अमले और कर्मचारियों को एक-एक घर जाकर फिज़िकल वेरिफिकेशन करना है। यह देश की सबसे बड़ी प्रशासनिक कवायदों में से एक है। ऐसे में जनगणना विभाग ने चुनाव आयोग को आगाह यानी फ्लैग कर दिया है कि फरवरी-मार्च के दौरान उनकी पूरी मशीनरी जनगणना के काम में व्यस्त रहेगी।

जनगणना और चुनाव एक साथ असंभव

प्रशासनिक अमले के लिए एक ही समय में देश की इतनी बड़ी जनगणना करना और उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में विधानसभा चुनाव संपन्न कराना लगभग असंभव होगा। चुनाव आयोग के पास सूबे में चुनाव को तय समय से आगे टालने का विकल्प नहीं है, क्योंकि ऐसा करने पर उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ सकता है।

चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक, विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के 6 महीने पहले कभी भी चुनाव कराए जा सकते हैं। इसके लिए संसद से किसी विशेष मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती। ▶8पर

'जिताऊ और टिकाऊ' पर नजर

अखिलेश का नया टिकट फॉर्मूला

लखनऊ, 01 जून (एजेंसियाँ)।

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी ने अभी से अपनी जमीनी तैयारियाँ तेज़ कर दी हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों से उत्साहित सपा अब फूँक-फूँककर कदम रख रही है और किसी तरह की कोई गलती नहीं करना चाहती है।

ऐसे में कैंडिडेट सेलेक्शन के लिए सपा पूरी तरह सतर्क है और अलग फॉर्मूला बनाया है। अखिलेश यादव का फोकस जिताऊ और टिकाऊ उम्मीदवार के चयन पर है। हालांकि समयपूर्व चुनाव की संभावना भी सपा के दिमाग़ में है।

2027 चुनाव के टिकट बंटवारे में अखिलेश यादव किसी तरह की कोई गलती नहीं करना चाहते हैं। इसके लिए सपा ने निजी एजेंसी से प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों का रिपोर्ट कार्ड तैयार करा रही है। अखिलेश यादव सर्वे की रिपोर्ट कार्ड के साथ ही जिला स्तरीय नेताओं के फीडबैक के आधार पर टिकट फाइनल करेंगे। टिकट के लिए नेता के जनाधार और क्षेत्र में अच्छी छवि को ही प्राथमिकता दी जाएगी। देखा जाना है कि अखिलेश यादव की सियासी कसौटी पर कितने नेता खरे उतरते हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

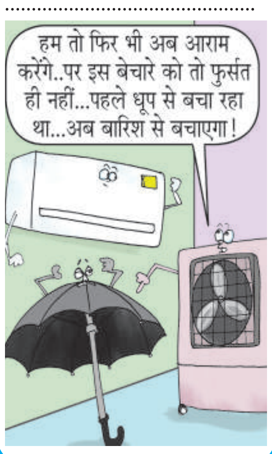

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0

न्यूनतम : 26^0

शुभेंदु कैबिनेट विस्तार

अर्जुन सिंह-अशोक डिंडा समेत 35 शामिल

कोलकाता, 01 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की नवनिर्वाचित बीजेपी सरकार के मंत्रिमंडल का पहला बड़ा विस्तार संपन्न हो गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी में राज्यपाल आरएन रवि ने 35 विधायकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ ही राज्य मंत्रिमंडल के कुल मंत्रियों की संख्या अब छह से बढ़कर 41 हो गई है, जो कि 294 सदस्यीय विधानसभा में मंत्रियों की अधिकतम संख्या से महज तीन कम है। राज्य के राज्यपाल आरएन रवि और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी में नबान्न में आयोजित मंत्रिमंडल विस्तार के शपथ ग्रहण समारोह में 13 कैबिनेट मंत्री, तीन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 राज्य ▶8पर

झाड़ू-पोछा करने वाली अब माननीय मंत्री

पूर्व बर्धमान, 01 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की सियासत से लोकतंत्र की ताकत को बयां करने वाली एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। कभी दूसरों के घरों में झाड़ू-पोछा और बर्तन मांजने का काम करने वाली कलिता माजी आज अपने संघर्ष और जनसमर्थन के दम पर विधानसभा चुनाव जीतकर मंत्री पद तक पहुंच चुकी हैं। पूर्वी बर्दवान जिले के अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित आउसग्राम विधानसभा क्षेत्र से BJP के टिकट पर मिली इस ऐतिहासिक ▶8पर

ममता से कन्नी काटने लगे नेता-विधायक

इस्तीफे, निष्कासन, बगावत...

नयी दिल्ली, 01 जून (एजेंसियाँ)।

पिछले 15 सालों से पश्चिम बंगाल में सत्ता पर काबिज़ तृणमूल कांग्रेस में अब अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आती दिख रही है। हालात ऐसे हो गए हैं कि बंगाल में टीएमसी के 80 विधायकों को एक मंच पर लाना भी ममता बनर्जी के लिए मुश्किल होता जा रहा है। कभी ऐसा दौर था जब ममता बनर्जी की एक आवाज़ पर सभी विधायक एकजुट नज़र आते थे, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। चुनाव हारने के बाद यह तीसरी बार हुआ है जब पार्टी प्रमुख की अपील के बावजूद बड़ी संख्या में विधायक बैठकों से दूर रहे। 6 मई को ममता बनर्जी ने जीतकर आए उम्मीदवारों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में 80 में से केवल 70 विधायक पहुँचे, जबकि 10 विधायक अनुपस्थित रहे। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष जैसे अहम पदों को लेकर चर्चा होनी थी।

इसके बाद 19 मई को पार्टी की रणनीति तय करने के लिए एक और बैठक बुलाई गई। लेकिन इस बार 80 में से 35 विधायक गायब रहे। यानी सिर्फ 45 विधायक ही बैठक में पहुँचे। फिर 31 मई को एक और बैठक आयोजित की गई। इस बार स्थिति और खराब रही। बैठक में केवल 20 विधायक पहुँचे, जबकि 60 विधायक अनुपस्थित रहे। पार्टी नेतृत्व को उम्मीद थी कि हार के बाद सभी विधायक एकजुट होकर साथ खड़े होंगे, लेकिन इसके उलट बैठकों में लगातार कम होती मौजूदगी ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। ▶8पर

लेबनान में लड़ाई तेज, हिजबुल्लाह ने इजराइली सेना पर राकेट दागे, आईडीएफ का ब्यूफोर्ट पर कब्जा

बेरूत (लेबनान)

लेबनान में इस समय ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह और इजराइल की सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है। इजराइल ने रविवार को पूरे दिन हिजबुल्लाह के प्रमुख गढ़ों पर ताबड़तोड़ हमले किए। इसके जवाब के लिए हिजबुल्लाह ने रात का समय चुना। आधीरात गुजर जाने के बाद अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार एक जून को करीब एक बजे हिजबुल्लाह ने इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) पर राकेट और तोप के गोले दागे। आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के लिए अपराजेय माने जाने वाले ब्यूफोट पर कब्जा कर उसे तगड़ी चुनौती दी है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में रविवार को आईडीएफ ने 36 से ज्यादा हमले किए। इन हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। टायर जिले के अल-अब्बासियेह शहर पर हमले में चार लोगों की जान चली गई।डेर अल-जहरानी के हाय अल अरब इलाके पर हमलों में आठ लोग मारे गए और 19 अन्य घायल हो गए। अनेक रिहायशी घर तबाह हो गए। जदीदत अंसार इलाके पर हमले में दो बच्चों सहित तीन लोग घायल हो गए। ओडाइसेह में एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाकर कर किए गए हमले में तीन लोग घायल हो गए। टायर में हिराम अस्पताल के पास हमले में 13 मेडिकल और नर्सिंग स्टाफ के सदस्य घायल हो गए।

रिपोर्ट के अनुसार इजराइली सैनिकों ने लेबनान में एक रणनीतिक पहाड़ पर कब्जा कर लिया है। इसके शिखर पर क्रूसेडरों का किला ब्यूफोर्ट है। ब्यूफोर्ट को यूनेस्को संरक्षित और विरासत स्थल घोषित कर चुका है। इस पर इजराइल का 2000 में पीछे हटने से पहले 18 वर्ष तक कब्जा रहा है।

हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना पर हमलों का दावा किया है। आतंकवादी समूह का कहना है कि उसके लड़ाकों ने सोमवार को स्थानीय समय अनुसार सुबह 1 बजे (रविवार को 22:00 जीएमटी) दक्षिणी लेबनान के योहमोर अल-शकीफ शहर के पूर्वी बाहरी इलाकों में इजराइली सेना पर बड़ी संख्या में राकेट और तोप के गोले दागे।

न्यूज ब्रीफ

ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन के इस्तीफे पर सरकारी प्रवक्ता की सफाई, कहा-अफवाह

तेहरान (ईरान)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन अब तक अपने पद पर बने हुए हैं। मसूद ने अपने पद

से इस्तीफा नहीं दिया है। वैश्विक मीडिया में रविवार को प्रसारित उनके इस्तीफा देने की खबर पर ईरानी प्रशासन ने देररात प्रतिक्रिया दी। प्रशासन की प्रवक्ता फातिमा मोहजेरानी ने कहा कि यह महज अफवाह है। इरना न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी शासन की प्रवक्ता फातिमा मोहजेरानी ने रविवार देर रात अपने एक्स हैंडल पर कहा कि राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन मुश्किल दिनों में ईरानी लोगों के साथ खड़े हैं। उनका प्रशासन देश की समस्याओं को हल करने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। मोहजेरानी ने कहा कि वह अपने पद पर बने हुए हैं। उनके पद छोड़ने की खबर अफवाह है। उल्लेखनीय है कि मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को कैबिनेट की बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने थोपे गए युद्ध के दौरान निभाई गई भूमिका के लिए सभी एजेंसियों की सराहना की। राष्ट्रपति नेलोगों से मौजूदा वास्तविकता के प्रति जागरूक रहने का आह्वान करते हुए इस बात पर जोर दिया था कि देश की कुछ आर्थिक समस्याएं लगाए गए प्रतिबंधों और दबाव के कारण पैदा हुई हैं। इसके कुछ देरबाद उनके इस्तीफे की खबर आई। यह तक कहा गया कि उन्होंने अपना त्यागपत्र देश के सर्वोच्च नेता को सौंप दिया। सरकार ने कहा कि इसमें रत्ती भर सच्चाई नहीं है।

वे हमारे बीच घूमते हैं, मोहल्लों में रह रहे हैं और हमसे बातचीत कर रहे हैं

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने आव्रजन प्रवर्तन पर केंद्रित एक नई अंतरिक्ष-थीम वाली वेबसाइट का अनावरण किया है, जिसमें अमेरिका में बिना कानूनी अनुमति के रह रहे लोगों की गिरफ्तारी को उजागर करने के लिए अलौकिक प्राणियों से जुड़े चित्रों और भाषा का इस्तेमाल किया गया है। लान्च की गई इस वेबसाइट का डिज़ाइन विज्ञान-कथा फिल्मों की याद दिलाता है, जिसमें तारों और आकाश गंगाओं की पृष्ठभूमि पर चमकीले हरे रंग का स्क्रालिंग टेक्स्ट दिखाई देता है। पेज खोलने पर आगंतुकों को यह संदेश मिलता है। वे हमारे बीच घूमते हैं, जो अवैध अप्रवासियों का संदर्भ है, जिन्हें प्रशासन बार-बार एलियंस कहता है। एलियंस डाट गोव डोमेन के तहत होस्ट की गई यह वेबसाइट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के व्यापक आव्रजन अभियान का हिस्सा है और इसका उद्देश्य अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन द्वारा की गई प्रवर्तन कार्रवाइयों को प्रदर्शित करना है। वेबसाइट पर लिखा है कि 60 सालों से अमेरिकी सरकार ने एक गहरा राज छुपा रखा है। विदेशी हमारे बीच घूम रहे हैं, हमारे मोहल्लों में रह रहे हैं और हमारे दैनिक जीवन में हमसे बातचीत कर रहे हैं। इस प्लेटफार्म में एक लाइव डैशबोर्ड है जो पूरे देश में आव्रजन संबंधी मुठभेड़ों और गिरफ्तारियों पर नज़र रखता है।

अमेरिका के मुकाबले सुपरपावर बनने की होड़ में पिछड़ रहा चीन, आर्थिक सुस्ती और जनसांख्यिकी संकट बने बड़ी बाधा

वाशिंगटन। वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनने के लिए चीन और अमेरिका के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है। कुछ वर्ष पहले तक तमाम आर्थिक विश्लेषकों का मानना था कि बीजिंग साल 2030 तक वाशिंगटन को पछाड़कर दुनिया का सबसे ताकतवर देश बन जाएगा, लेकिन अब रणनीतिक और आर्थिक मामलों के विशेषज्ञों की राय बदलने लगी है। नए आकलनों के अनुसार, चीन को अमेरिका के समकक्ष पहुंचने और उसे पीछे छोड़ने में अब कम से कम तीन दशक यानी 30 साल का समय और लग सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और वर्ल्ड बैंक के हालिया आर्थिक अनुमान भी इसी ओर इशारा करते हैं। इसके विपरीत, तमाम वैश्विक चुनौतियों के बाद भी भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट वित्त वर्ष 2026-27 में चीन से अधिक रहने का अनुमान जताया गया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग लंबे समय से अमेरिका को एक ढलती हुई महाशक्ति बताते रहे हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक में भी उन्होंने अमेरिका के घटते वैश्विक प्रभाव का जिक्र किया था। हालांकि, वैश्विक अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता, तकनीकी विकास, मुद्रा के प्रभाव और कूटनीतिक गठबंधनों के जमीनी आंकड़े इस दावे के विपरीत एक अलग ही तस्वीर पेश करते हैं।

चीन का पहला परमाणु संचालित सुपर एयरक्राफ्ट कैरियर तैयार, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ेगी सैन्य चुनौती

बीजिंग

चीन ने एक बार फिर दुनिया को अपनी बढ़ती सैन्य और नौसैनिक महत्वाकांक्षाओं से अवगत करा दिया है। उत्तरी चीन के डालियान शिपयार्ड से सामने आई नई सैटेलाइट तस्वीरों से यह पुष्टि हो गई है कि बीजिंग अपने पहले परमाणु-संचालित सुपर एयरक्राफ्ट कैरियर के निर्माण कार्य को बेहद तेजी से आगे बढ़ा रहा है। यह महाकाय युद्धपोत हिंद-प्रशांत और दक्षिण चीन सागर में चीन के दीर्घकालिक प्रभुत्व का सबसे बड़ा प्रतीक बनने जा रहा है। पिछले एक वर्ष के भीतर इस जहाज के विभिन्न हिस्सों को जोड़कर एक स्पष्ट और विशाल ढांचा खड़ा कर लिया गया है। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि निर्माण की यह तेज गति चीन की औद्योगिक और नौसैनिक क्षमता का बड़ा संकेत है और यह परमाणु सुपरकैरियर 2030 के शुरुआती वर्षों में बनकर पूरी तरह तैयार हो सकता है। चीन का मुख्य लक्ष्य अब केवल अपने समुद्री तटों की सुरक्षा करना नहीं है, बल्कि वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना की श्रेष्ठता को सीधी चुनौती देना चाहता है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का लक्ष्य साल 2035 तक अपने बेड़े में छह नए विमानवाहक पोत शामिल करने का है, जिससे उसके पास कुल नौ एयरक्राफ्ट कैरियर हो जाएंगे। यह नया परमाणु सुपरकैरियर चीन के मौजूदा फुजियान कैरियर से भी अधिक विनाशकारी होगा। परमाणु ऊर्जा प्रणाली से लैस होने के कारण इसकी परिचालन सीमा लगभग असीमित हो जाएगी और इसे बार-बार ईंधन की आवश्यकता नहीं होगी। इस जहाज में आधुनिक विमान लान्च कैटापल्ट और तीन एयरक्राफ्ट लिफ्ट लगाए जाने की संभावना है, जिससे यह पुराने कैरियरों की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक तेजी से लड़ाकू विमानों को तैनात कर सकेगा। इस सुपरकैरियर पर चीन के सबसे घातक और आधुनिक हथियार तैनात किए जाएंगे, जिनमें पांचवीं पीढ़ी के जे-35 स्टील्थ फाइटर, जे-15टी लंबी दूरी के फाइटर जेट, जे-15डी इलेक्ट्रानिक वारफेयर विमान और केजे-600 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम शामिल हैं। यह जहाज समुद्र में चलता-फिरता एक अत्याधुनिक युद्ध कमांड सेंटर साबित होगा। इस परमाणु सुपरकैरियर के आने से दक्षिण चीन सागर, ताइवान, जापान, फिलीपींस, वियतनाम और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के लिए रणनीतिक चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं।

तीसरा विश्व युद्ध मानवता के लिए विनाशकारी होगा : एलेक्सेंडर

वाशिंगटन। आजकल सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी शख्स का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस शख्स ने खुद को भविष्य से लौटकर आने वाला टाइम ट्रैवलर बताया है। इस व्यक्ति ने अपना नाम एलेक्सेंडर स्मिथ बताया और दावा किया कि वह अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के एक गुप्त टाइम ट्रैवल प्रोजेक्ट का हिस्सा रहा है। मास्क पहने उस शख्स के अनुसार वह साल 2118 में जाकर वापस लौटा है और वहां का भयावह भविष्य देखकर दुनिया को चेतावनी देना चाहता है। उसके दावों ने इंटरनेट पर सनसनी फैला दी है। कुछ लोग इसे सच मान रहे हैं, जबकि कई लोग इसे महज कहानी और लोकप्रियता पाने की कोशिश बता रहे हैं। एलेक्सेंडर स्मिथ ने अपने वीडियो में दावा किया कि भविष्य में तीसरा विश्व युद्ध पूरी मानव सभ्यता के लिए विनाशकारी साबित होगा। उसने कहा कि उसने न्यूयार्क, लंदन, दिल्ली और बीजिंग जैसे बड़े शहरों को खंडहर में बदलते देखा। उसके मुताबिक वर्ष 2040 के आसपास छोटे-छोटे अंतरराष्ट्रीय विवादों से युद्ध की शुरुआत हुई, जो धीरे-धीरे बड़े देशों के बीच परमाणु संघर्ष में बदल गई। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से लाखों लोगों की मौत हो गई और कई इलाके पूरी तरह बंजर हो गए। स्मिथ के अनुसार भविष्य में रेडिएशन का असर कई पीढ़ियों तक दिखाई देगा। खाने और पानी की भारी कमी होगी तथा बचे हुए लोग जंगलों में जड़ी-बूटियां और जानवरों का शिकार करके जीवन बिताने को मजबूर होंगे। उसने यह भी दावा किया कि युद्ध के बाद इंटरनेट, स्मार्टफोन और आधुनिक तकनीक लगभग खत्म हो चुकी होगी। अस्पताल नष्ट हो जाएंगे और लोग पुराने तरीकों से जीवन जीने लगेंगे। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। कई यूजर्स ने चिंता जताई है, जबकि विशेषज्ञों ने इन दावों को वैज्ञानिक आधार से दूर बताया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी तक समय यात्रा को लेकर कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। हालांकि क्वांटम फिजिक्स में ऐसी कुछ थ्योरी जरूर मौजूद हैं, जो भविष्य में समय यात्रा की संभावनाओं पर चर्चा करती हैं।

रेडिएशन सहन करने की क्षमता छिपी है काकरोच में : वैज्ञानिक

लंदन

भारत में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई काकरोच जनता पार्टी ने बेहद कम समय में करोड़ों फालोअर्स जुटाकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। देश के युवाओं के बीच यह व्यंग्यात्मक डिजिटल ट्रेंड इतना लोकप्रिय हो गया कि अब काकरोच की असाधारण जीवित रहने की क्षमता पर भी चर्चा तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल पूछ रहे हैं कि क्या सच में परमाणु युद्ध जैसी भयानक तबाही के बाद भी काकरोच जिंदा बच सकते हैं। काकरोच को लेकर यह धारणा नई नहीं है।

वर्ष 1965 में नेशनल कमेटी फार अ सेन न्यूक्लियर पालिसी द्वारा जारी एक विज्ञापन में दावा किया गया था कि यदि तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो न अमेरिका बचेगा, न रूस और न चीन, बल्कि उसका असली विजेता काकरोच होगा। इसके बाद से यह बात दुनिया भर में एक चर्चित वैज्ञानिक मिथक बन गई। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि इस दावे में कुछ सच्चाई जरूर है, लेकिन इसे पूरी तरह सही मानना गलत होगा। विशेषज्ञों के अनुसार काकरोच सीधे परमाणु बम के विस्फोट को नहीं झेल सकते। परमाणु धमाके के दौरान पैदा होने वाली भीषण गर्मी, आग का विशाल गोला और तेज शाकवेव किसी भी जीवित प्राणी को तुरंत नष्ट कर सकती है।

इसलिए यदि कोई काकरोच विस्फोट के बिल्कुल केंद्र में मौजूद हो तो उसका बचना असंभव है। लेकिन असली खासियत उनकी रेडिएशन सहन करने की क्षमता में छिपी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक काकरोच इंसानों की तुलना में लगभग 10 गुना ज्यादा रेडियोएक्टिव विकिरण सहन कर सकते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह उनके शरीर की कोशिकाओं का धीमा विभाजन है। रेडिएशन मुख्य रूप से उन कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है जो तेजी से विभाजित होती हैं।

इंसानों में यह प्रक्रिया लगातार चलती रहती है, जबकि काकरोच में कोशिका विभाजन केवल तब होता है जब वे अपनी बाहरी त्वचा बदलते हैं। यही कारण है कि उन पर रेडिएशन का असर बेहद कम होता है। काकरोच की एक और खासियत यह है कि वे बिना सिर के भी कई दिनों तक जिंदा रह सकते हैं। उनका परिसंचरण तंत्र खुला होता है और वे शरीर में मौजूद छोटे छिद्रों से सांस लेते हैं। सिर कटने के बाद भी उनके शरीर का कामकाज कुछ समय तक चलता रहता है। इसके अलावा काकरोच लगभग 30 करोड़ वर्षों से पृथ्वी पर मौजूद हैं और वे कई बड़े जलवायु परिवर्तनों तथा विनाशकारी घटनाओं को झेल चुके हैं। डिस्कवरी चैनल के लोकप्रिय शो मिथबस्टर्स में भी इस विषय पर प्रयोग किया गया था।

बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे वाले बयान पर बढ़ा विवाद

काठमांडो। भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर उठे विवाद के बाद अब नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण वाले बयान का मतलब सरकारी कब्जा नहीं, बल्कि सीमा के पास दोनों देशों के लोगों द्वारा जमीन के इस्तेमाल और नो-मैन्स लैंड से जुड़े मुद्दे थे। इस बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक और कूटनीतिक बहस और तेज हो गई है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल की तरफ से भी कई जगह भारतीय जमीन का इस्तेमाल हुआ है। उनके इस बयान पर नेपाल में भारी विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी दसगजा यानी नो-मैन्स लैंड और सीमा पार कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर थी। मंत्रालय ने कहा कि इसे किसी सरकारी कब्जे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई में क्या कहा नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल की मौजूदा सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा, कालापानी और सुस्ता जैसे कुछ क्षेत्र अब भी पूरी तरह सीमांकित नहीं हुए हैं।

ग्रीस में मिले सबसे पुराने हाथ से इस्तेमाल किए गए लकड़ी के औजार

एथेंस

ग्रीस में वैज्ञानिकों को दुनिया के अब तक के सबसे पुराने हाथ से इस्तेमाल किए गए लकड़ी के औजार मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि शुरुआती इंसान केवल पत्थर तोड़ने या शिकार करने तक सीमित नहीं थे, बल्कि वे लकड़ी को पहचानने, उसे तराशने और जरूरत के मुताबिक उपयोगी औजार बनाने की कला भी जानते थे।

यह अहम खोज ग्रीस के मेगालोपोलिस क्षेत्र स्थित मराठौसा पुरातात्विक स्थल पर हुई है। इस शोध में यूनिवर्सिटी आफ रीडिंग, यूनिवर्सिटी आफ ट्यूबिंगेन और जर्मनी की सेनकनबर्ग नेचर रिसर्च सोसायटी के वैज्ञानिक शामिल थे। वैज्ञानिकों के अनुसार ये लकड़ी के औजार करीब 4 लाख 30 हजार साल पुराने हैं, जो अब तक मिले ऐसे औजारों में सबसे प्राचीन माने जा रहे हैं। वैज्ञानिकों को यहां दो लकड़ी के औजार मिले। इनमें से एक एल्डर पेड़ की लकड़ी से बना था, जबकि दूसरा विलो या पापलर पेड़ की लकड़ी से तैयार किया गया था। इन औजारों पर कटाई, छीलने और आकार देने के स्पष्ट निशान मिले हैं, जिससे साबित होता है कि इन्हें इंसानों ने जानबूझकर तैयार किया था।

शोधकर्ताओं का मानना है कि इनका उपयोग झील किनारे नरम मिट्टी खोदने, जड़ें निकालने, पेड़ों की छाल हटाने या दूसरी दैनिक जरूरतों के लिए किया जाता होगा। वैज्ञानिकों के लिए सबसे हैरान करने वाली बात यह थी कि इतनी पुरानी लकड़ी आखिर सुरक्षित कैसे बची रही। सामान्य तौर पर लकड़ी जल्दी सड़ जाती है और हजारों साल तक सुरक्षित नहीं रह पाती। लेकिन मराठौसा क्षेत्र कभी एक प्राचीन झील का किनारा हुआ करता था। वहां की गीली मिट्टी और कम आक्सीजन वाले वातावरण ने इन लकड़ी के औजारों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा। शोधकर्ताओं के मुताबिक यह खोज इस बात का सबूत है कि मध्य प्लेस्टोसीन काल के इंसान हमारी सोच से कहीं ज्यादा समझदार और तकनीकी रूप से विकसित थे। यह काल लगभग 7 लाख 50 हजार साल पहले से 1 लाख 29 हजार साल पहले तक फैला हुआ था। इसी दौर में इंसानों ने अपने आसपास के संसाधनों को समझना और उनका योजनाबद्ध तरीके से इस्तेमाल करना शुरू किया। मराठौसा स्थल से पत्थर के औजार, हाथियों के अवशेष और अन्य जानवरों की हड्डियां भी मिली हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह इलाका शिकार और भोजन तैयार करने का प्रमुख केंद्र रहा होगा। वैज्ञानिकों को यहां लकड़ी के बड़े टुकड़ों पर पंजों के निशान भी मिले हैं, जो संभवत: किसी बड़े मांसाहारी जानवर, जैसे भालू, के हो सकते हैं। इससे यह भी पता चलता है कि उस समय इंसानों और जंगली जानवरों के बीच भोजन और शिकार को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा रही होगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज मानव इतिहास की समझ को नया आयाम देती है।

क्या यूक्रेन के खिलाफ गोरिल्ला जंग लड़ने की तैयारी में तालिबानी लड़के

रूस और तालिबान शासन के बीच हुआ गुप्त समझौता

मास्को

दशकों की दुश्मनी और सोवियत संघ की अफगानिस्तान से वापसी के लंबे अरसे बाद, रूस और तालिबान शासन के रिश्ते में एक नाटकीय बदलाव दिखाई दिया है। हाल ही में दोनों देशों के बीच सैन्य समझौता हुआ है, इस समझौते ने यूक्रेन युद्ध में तालिबानी लड़ाकों की संभावित भागीदारी को लेकर नई अटकलों को जन्म दिया है।

रूस द्वारा तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने और उनके साथ संबंध मजबूत करने के बाद हुए समझौते की गोपनीय शर्तों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि तालिबान ने रूस के साथ सहयोग को महत्वपूर्ण बताया है, लेकिन समझौते का ब्यौरा सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे इसकी आंतरिक शर्तों का अनुमान लगाना मुश्किल हो रहा है।

इस गुप्त सैन्य सहयोग के बाद कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया हैं कि रूस, यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में तालिबानी लड़ाकों को शामिल कर सकता है। इस संदर्भ में रूस के 2024 में उत्तर कोरिया के साथ हुए रक्षा समझौते का भी जिक्र हो रहा है, जिसके तहत उत्तर कोरियाई सैनिकों को कुर्स्क क्षेत्र में लड़ने की बात सामने आई थी। कुछ विशेषज्ञों का दावा है कि रूस के कुर्स्क में मौजूद उत्तर कोरियाई सैनिक, तालिबानी लड़ाकों को असममित युद्ध के लिए भर्ती कर सकते हैं।

हालांकि, अधिकांश विशेषज्ञ ऐसी संभावनाओं को कम आंकते हैं। उनका तर्क है कि रूस की आर्थिक स्थिति मुफ्त सैन्य सहायता की अनुमति नहीं देती, और तालिबान के पास भी बड़ी मात्रा में सैन्य उपकरण खरीदने के लिए धन नहीं है। एक जानकार के अनुसार, यूक्रेन युद्ध के कारण रूस न अफगानिस्तान को भारी हथियार दे सकता है और न ही तालिबान आर्थिक तंगी के चलते खरीद सकता है। इसके बाद हथियारों की मदद की उम्मीद कम ही है।

इसके बाद सवाल उठता है कि इस समझौते में छिपा क्या है और दोनों पक्षों को इससे क्या हासिल होगा। रूस के लिए, यह समझौता पश्चिम-विरोधी गठबंधन को मजबूत करने का एक माध्यम है, जिसमें पहले से ही चीन, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश शामिल हैं। मास्को अफगानिस्तान में अमेरिका के किसी भी सैन्य अड्डे के खिलाफ है और इस क्षेत्र में खुद को पश्चिमी प्रभाव के मुकाबले एक ताकत के रूप में स्थापित करना चाहता है। वहीं तालिबान के लिए, समझौता रूस जैसे शक्तिशाली देश के साथ संबंध स्थापित करके अपने अंतरराष्ट्रीय अलगाव को समाप्त करने का मौका है। इसके अलावा, अमेरिकी सेना द्वारा छोड़े गए हथियारों के रखरखाव और सैन्य प्रशिक्षण में रूस की मदद तालिबान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। यह समझौता दोनों पक्षों के लिए रणनीतिक फायदे वाला दिख रहा है, भले ही यूक्रेन युद्ध में सीधी सैन्य भागीदारी की अटकलें हकीकत से दूर हों।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। अलग-अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद-विवाद हो सकता है। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत बढ़िया रहेगी। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है।आपके लिए दिन बेहद रोमानी होने वाला है। आज किसी शादी में जा सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज प्रेम-संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जिंदगी आपको अच्छे अहसास भी जरुर कराती है बस आपको इन अहसासों को समझने की जरुरत है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आज बच्चों के साथ समय बिताकर आप कुछ सुकून भरे पल जी सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। पढ़ाई-लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें,असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। छुट्टी ज़ाया हो गयी – इस पर सोचने की बजाय बाक़ी बचे दिन को आप किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद-ब-ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस-पास के लोगों को दु:खी कर सकती है। एक प्यारी-सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप माता-पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका सकारात्मक रुख़ आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। किसी अच्छे स्पा में जाकर आप तरोताज़ा महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। वैवाहिक जीवन में आप कुछ निजता की ज़रूरत महसूस करेंगे। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 जून 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 07:04 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 10:07 तक
योग : साध्य प्रात: 07:15 तक
करण : तैतिल प्रात: 05:52 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 10:07 तक , अधिक मास चालू है

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

क्लीनिक एवं अग्रसेवा गतिविधियों के प्रति सदस्यों में दिखा अपार उत्साह

शाखा की वार्षिक रिपोर्ट, आय-व्यय एवं भावी योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की वार्षिक साधारण सभा राघव रत्ना टॉवर के दसवें तल पर स्थित अग्रवाल समाज तेलंगाना के सभागार में संपन्न हुई। सभा का शुभारंभ समाज की केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल, शाखा के परामर्शदाताओं एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर शाखा की ओर से केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल का शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।

सभा के दौरान वर्तमान कार्यकाल में दिवंगत हुए वरिष्ठ सदस्यों श्री विमल रूंगटा एवं श्री श्यामलाल अग्रवाल को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शाखा सचिव प्रतीक अग्रवाल ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए शाखा द्वारा वर्षभर संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष रोशनलाल मित्तल ने वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा वर्ष 2026-27 का प्रस्तावित बजट प्रस्तुत किया। महिला संयोजिका सरला अग्रवाल एवं रश्मि अग्रवाल ने महिला समिति की रिपोर्ट और आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया, जबकि अक्षय अग्रवाल ने क्लीनिक के आय-व्यय का ब्यौरा रखा।

क्लीनिक और अग्रसेवा के विस्तार के लिए सदस्यों ने दिया सहयोग का भरोसा

अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लीनिक एवं अग्रसेवा गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इन सेवाओं का लाभ समाज के साथ-साथ आमजन को भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि क्लीनिक एवं सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सभा में उपस्थित सदस्यों ने क्लीनिक एवं अग्रसेवा गतिविधियों के प्रति विशेष उत्साह व्यक्त किया। कई सदस्यों ने वर्ष 2026-27 में भी क्लीनिक के लिए आर्थिक सहयोग देने की स्वेच्छा से घोषणा की। इसके अतिरिक्त अग्रसेवा के अंतर्गत संचालित अन्न प्रसाद, शीतल जल वितरण, पेय सेवा एवं गौशाला सेवा में भी नियमित सहयोग का आश्वासन दिया।

समाजसेवा में योगदान देने वाले सहयोगियों एवं पदाधिकारियों का सम्मान

इस अवसर पर शाखा के परामर्शदाता गिरधारीलाल अग्रवाल एवं ओमप्रकाश पंसारी, पूर्व अध्यक्ष गिरधारीलाल गुप्त, दिनेश अग्रवाल, विजय जिंदल, प्रदीप अग्रवाल तथा डॉ. दिलीप पंसारी को उनकी विशिष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लीनिक के प्रमुख सहयोगी बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के श्री शरद बी. पित्ती, माधव ऑटिज्म फाउंडेशन की संस्थापिका एवं अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ तथा अन्य सहयोगियों उमेश गुप्ता (संगीत सागर समूह), अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा, अनिल गर्ग, अनिल ईशांत गोयल (स्वस्तिक), अरुण रूंगटा, दीनदयाल अनिल अग्रवाल, देवकीनंदन जाजोदिया, गणेशलाल, गिरधारीलाल अग्रवाल, गिरधारीलाल गुप्त, गोविंदलाल, नवीन रूंगटा, निरंजन पंसारी, ओमप्रकाश पंसारी, प्रदीप अग्रवाल, प्रतीक पीयूष अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राकेश राशिवासिया, रवि-रितेश झुनझुनवाला, रोशनलाल मित्तल, बी.के. गर्ग, विजय जिंदल, विजय कुंछल तथा प्रियंका फार्मा को क्लीनिक एवं शाखा के मासिक मेलों में सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार अग्रसेवा गतिविधियों में सहयोग प्रदान करने वाले सुरेश धानुका, आशीष गर्ग, अजय गुप्ता, विकास अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, जुगल किशोर अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, अजय डालमिया एवं अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी सेवाओं का सम्मान किया गया।

महिला समिति की सदस्यों को भी मिला सम्मान

शाखा की महिला समिति की प्रधान संयोजिका सरला अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल तथा संयोजिका नेहा अग्रवाल, शालिनी केडिया, सीमा अग्रवाल, ज्योति धानुका, ज्योति गुप्ता, दीप्ति झुनझुनवाला, दीपा डालमिया एवं अन्य महिला सदस्यों को समाज के लिए समय-समय पर दिए गए योगदान एवं सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

सभा का संचालन शाखा उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने किया। सह-सचिव विजय कुंछल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में दिनेश कुमार पंसारी, भव्या गर्ग एवं अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

साना सतीश बाबू ने किया एनटीआर भरोसा पेंशन का वितरण

काकीनाडा/विजयवाड़ा, 1 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यसभा सांसद और टीडीपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साना सतीश बाबू ने सोमवार को एनटीआर भरोसा योजना के तहत लाभार्थियों को पेंशन राशि का वितरण किया।

वे काकीनाडा ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कड़ापा कॉर्पोरेशन क्षेत्र के पहले डिवीजन, रमणय्यापेटा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्वयं लाभार्थियों के घरों का दौरा किया, उन्हें पेंशन सौंपी और उनका कुशलक्षेम जाना।

इस अवसर पर बोलते हुए सांसद साना सतीश बाबू ने कहा कि मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में सरकार सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी के तहत एनटीआर भरोसा पेंशन का वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। लाभार्थियों का कल्याण ही सरकार का मुख्य लक्ष्य है।

श्रमिकों को फल और कोल्ड ड्रिंक्स का वितरित

बांसवाड़ा, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भीषण गर्मी के बीच रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्य कर रहे श्रमिकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से सोमवार को कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल के कोनापुर गांव में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान गांव के तालाब में गाद निकालने के कार्य में जुटे लगभग 300 रोजगार गारंटी श्रमिकों को केले एवं कोल्ड ड्रिंक्स वितरित किए गए।

एमपीडीओ बी. आनंद के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में गांव की सरपंच एलागोनी किशतव्वा राजेश्वर गौड़ की उपस्थिति में श्रमिकों को केले और कोल्ड ड्रिंक्स प्रदान किए गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने श्रमिकों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने तथा गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी एवं शीतल पेय ग्रहण करने की सलाह भी दी। कार्यक्रम में डिप्टी सरपंच बंजा भूषणम, ग्राम सचिव भरत, वार्ड सदस्यगण, फील्ड असिस्टेंट हनीफ, गांव के जेट्टी हनमंडलू, श्रीनिवास, सयागौड़ सहित अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया। सभी ने श्रमिकों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

गौसेवा एवं समाजसेवा के लिए डॉ. ज्ञानचंद सोलीवाल को 'भारत गौरव प्रतिभा रत्न अवॉर्ड'

नई दिल्ली/झांसी, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजधानी नई दिल्ली स्थित पांच सितारा रेडिसन ब्लू में रविवार को इंटरनेशनल अवॉर्ड काउंसिल द्वारा आयोजित भारत गौरव प्रतिभा रत्न अवॉर्ड 2026 समारोह भव्यता, गरिमा और प्रेरणा का अद्भुत संगम बनकर सामने आया। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे शिक्षा, चिकित्सा, समाजसेवा, स्वास्थ्य, कला, मीडिया, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की भव्य सजावट, आकर्षक रोशनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया। सम्मान प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं के सम्मान में पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

मरुधर क्षेत्र से जुड़े तथा वर्तमान में भाग्यनगर (हैदराबाद) में निवासरत डॉ. ज्ञानचंद सोलीवाल को गौसेवा, समाजसेवा एवं मानवीय मूल्यों के प्रति उनके समर्पित योगदान के लिए भारत गौरव प्रतिभा रत्न अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

डॉ. ज्ञानचंद सोलीवाल के जीवन को सेवा, संस्कार और परोपकार की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए वक्ताओं ने उनके सामाजिक योगदान की सराहना की।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तनवीर ज़फर अली ने कहा कि देशभर की प्रतिभाओं को एक मंच पर सम्मानित किया जाना अत्यंत प्रेरणादायक है। ऐसे आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने और समाज में सकारात्मक योगदान देने की नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

विशिष्ट अतिथि एवं मध्य प्रदेश शासन की संदीपनी विद्यालय योजना के पूर्व तकनीकी प्रदेश प्रभारी विष्णुकांत कनकने ने कहा कि प्रत्येक प्रतिभा सम्मान की अधिकारी है और इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का मनोबल बढ़ाते हैं।

वहीं मध्य प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता तथा उत्तर मध्य रेलवे की जेडआरयूसीसी के सदस्य पं. हरिओम शर्मा ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं तथा राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मुकेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे लोगों को पहचान और सम्मान मिलना अत्यंत आवश्यक है। सम्मान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों ने इसे अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि ऐसे मंच उन्हें समाज और राष्ट्रहित में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि इंटरनेशनल अवॉर्ड काउंसिल का उद्देश्य देशभर की प्रतिभाओं तथा समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित कर उन्हें नई पहचान प्रदान करना है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में और अधिक उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित हो सकें।

अनाथ बुजुर्गों की सेवा को समर्पित रहा चेयुथा ग्रुप का कार्यक्रम

श्री ललाना ओल्ड एज होम में मिठाई, बिस्किट और तौलियों का किया वितरण

बांसवाड़ा, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा चेयुथा ग्रुप की ओर से निज़ामाबाद जिले के आर्मूर मंडल स्थित अंकापुर गांव के समीप संचालित श्री ललाना ओल्ड एज होम में अनाथ एवं निराश्रित बुजुर्गों के लिए सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वृद्धाश्रम में वर्तमान में लगभग 50 बुजुर्ग निवास कर रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान चेयुथा ग्रुप के सदस्यों ने प्रत्येक बुजुर्ग को विभिन्न प्रकार की मिठाइयाँ वितरित कीं। इसके पश्चात सभी को बिस्किट के पैकेट एवं तौलिए भेंट किए गए। बुजुर्गों ने इस सेवा कार्य के लिए ग्रुप के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। वितरण कार्यक्रम के बाद चेयुथा ग्रुप के सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताते हुए उनकी वास्तविक परिस्थितियों, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, स्वास्थ्य संबंधी स्थिति तथा सामूहिक एवं व्यक्तिगत आध्यात्मिक जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त की। सदस्यों ने उनकी आवश्यकताओं को समझने का प्रयास करते हुए भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया। चेयुथा ग्रुप के संस्थापक नंदला शंकर ने बताया कि ग्रुप की ओर से वृद्धाश्रम परिसर में संचालित गौशाला के लिए 1,011 रुपये का दान भी प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सेवा करना ही ग्रुप का प्रमुख उद्देश्य है। इस सेवा कार्यक्रम में चेयुथा ग्रुप के संस्थापक नंदला शंकर एवं उनकी धर्मपत्नी, बेठी सयुलु एवं उनकी धर्मपत्नी, आर्मूर के चाती राकेश, कोटागिरी के निकट कोठापल्ली निवासी पुप्पला रवि, बांसवाड़ा के गंगाधर सहित ग्रुप के कुल सात मानद सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में नंदला शंकर ने श्री ललाना ओल्ड एज होम के प्रबंधन, प्रशासनिक अधिकारियों, स्टाफ सदस्यों, कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले चेयुथा ग्रुप के सदस्यों, मानद दानदाताओं तथा सभी सहयोगियों का नामोल्लेख करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान, सेवा कार्यों की सराहना

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान सबसे श्रेष्ठ दान माना जाता है और इससे समाज के जरूरतमंद वर्ग को प्रत्यक्ष सहायता मिलती है। राधे-राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना और समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को मजबूत करना है।

अन्नदान कार्यक्रम में अनुपमा लाल, काली गुप्ता, सरदाजी, हरीश जी, संजय भाई, मनीष, उमा गुप्ता एवं उनके सुपुत्र सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। सभी ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

ध्यान : सफलता भी, शांति भी

सफलता के साथ मन के भीतर शांति मिलना मुश्किल होता है। आज के अधिकतर युवाओं के साथ यही समस्या है कि वे सफल तो हो रहे हैं लेकिन उस सफलता में कहीं शांति नहीं है। सफलता के साथ शांति का सबसे बेहतरीन मार्ग बौद्ध धर्म में बताया गया है। बौद्ध धर्म ने हर परेशानी का हल ध्यान में तलाशने का प्रयास किया है और इसमें वे काफी हद तक सफल भी हुए हैं। बौद्ध धर्म ने अपना सारा ध्यान मेडिटेशन पर ही केंद्रीत किया है। मन को शांति तब मिलती है जब आप को किए गए काम में आनंद भी आ रहा हो। कई लोगों के साथ परेशानी यह भी है कि जो काम वे कर रहे हैं, उसे एक बोझ या केवल काम मान कर ही कर रहे हैं। बौद्ध धर्म ध्यान के जरिए पहले किसी भी काम में अपनेआप को डुबोने और फिर उसमें आनंद तलाशने को कहता है। जब काम में आनंद आने लगे तो सफलता अपनेआप मिल जाती है। इस सफलता में शांति भी होती है। बौद्ध धर्म कहता है कि हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में थोड़ी देर मेडिटेशन भी करना चाहिए। अपनी दिनचर्या को कुछ ऐसे प्लान करें कि उसमें सुबह या शाम का थोड़ा समय ध्यान के लिए रहे। ध्यान से मन एकाग्र होगा, शरीर शांत और मन केंद्रीत रहेगा। इससे हमें ऊर्जा तो मिलेगी ही, साथ हम जो भी काम कर रहे हैं, समें बेहतर परिणाम मिलेंगे। बोद्ध धर्मा का आधार ही ध्यान है। इसी में उनकी सफलता का मूल मंत्र और रहस्य छिपा हुआ है।

आस्था है तो मूर्ति में भी दिखेंगे भगवान

आपके घर में भगवान की बहुत सी तस्वीर लगी होगी। पूजा घर में देवी-देवताओं की कुछ मूर्तियां भी हो सकती हैं लेकिन कभी आपने महसूस किया है कि मूर्तियां और तस्वीर जीवित हो उठी हैं अर्थात वह जड़ अवस्था को छोड़कर चेतन जान पड़ने लगे हैं। हो सकता है कुछ ने ऐसा महसूस किया हो। अगर आपने महसूस किया है तो यह समझ लीजिए कि जिस घड़ी आपने ईश्वर को चेतन जाना उस समय वास्तव में ईश्वर उस मूर्ति में वर्तमान थे। जब आपने उन्हें मात्र मूर्ति मानकर पूजा किया तो वह मात्र मूर्ति बने रहे। बहुत से लोग यह कहते हैं कि हमने भगवान की मूर्ति को लड्डू का भोग लगाया, सुबह-शाम धूप-दीप दिखाया लेकिन ईश्वर ने मेरे लिये किया क्या। वास्तव में यह ईश्वर की गलती नहीं है कि आपकी पूजा का फल आपको नहीं मिला।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक व्यक्ति हर दिन सुबह शाम गणेश जी की पूजा करता है। धूप-दीप दिखाता। लेकिन कई वर्षों तक पूजा करने के बाद भी उसे जब कुछ लाभ नहीं दिखा तो गणेश जी से नाराज हो गया। इस व्यक्ति ने गणेश जी की पूजा बंद करके लक्ष्मी माता की पूजा शुरू कर दी। इसने देखा कि जो धूप दीप वह लक्ष्मी मां को दिखा रहा है उसका धुआं गणेश जी के पास भी जा रहा है। वह झट से रूई लेकर आया और गणेश जी नाक में लगा दिया, ताकि गणेश जी को धूप-दीप का गंध भी नहीं मिले। गणेश जी की मूर्ति जड़ से चेतन अवस्था में आकर हंसने लगी। व्यक्ति बड़ा हैरान हुआ कि, आखिर जब तक मैं धूप-दीप दिखाकर गणेश जी की पूजा करता रहा तब तो गणेश जी नहीं आये, लेकिन आज जब मैंने उनकी नाक रूई से बंद कर दी तो गणेश जी भला कैसे मूर्ति में प्रकट हो गये। गणेश जी अपने भक्त के मन की बात समझ गये और बोले जब तक तुम मुझे जड़ मानते रहे अर्थात मिट्टी की मूर्ति मानकर पूजते रहे तब तक मैं जड़ बना रहा। आज तुमने मेरी नाक में रूई लगाया ताकि मैं धूप- दीप का गंध न प्राप्त कर संकू. इसका मतलब है कि तुमने आज मुझे चेतन अर्थात जीवित मान लिया है, बस यही कारण है कि मैं तुम्हारे सामने जीवित उपस्थित हूं। यानी ईश्वर की मूर्ति में चावल लेकर संस्कृत के कुछ मंत्र बोलकर मूर्ति पर चावल फेंकने से ईश्वर की मूर्ति में प्राण का संचार नहीं होता है। मूर्ति में प्राण का संचार हमारी आस्था से होता है। अगर बाजार से मूर्ति खरीदकर ले आयें और पूर्ण आस्था से मूर्ति को साक्षात मानकर उनकी पूजा करने लगें तो मूर्ति में भी ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। मूर्ति पर मंत्र द्वारा चावल फेंककर प्राण प्रतिष्ठा का तात्पर्य भी यही है कि व्यक्ति में यह विश्वास उत्पन्न हो कि मूर्ति में भगवान प्रवेश कर चुके हैं।

गुड का दान करने से दरिद्रता का नाश होता है

श्राद्ध पक्ष में दान की महिमा के बारे में बताया गया है। इन दिनों क्या दान करना चाहिए और क्यों? इस बारे में हमारे पौराणिक ग्रंथों में विस्तार से उल्लेख मिलता है। श्राद्ध पक्ष में दान की महिमा के बारे में बताया गया है। इन दिनों क्या दान करना चाहिए और क्यों? इस बारे में हमारे पौराणिक ग्रंथों में विस्तार से उल्लेख मिलता है। वैसे, इन दिनों अनाज का दान करना शुभ माना गया है। अनाज में गेहूं, चावल का दान गरीबों और ब्राह्मणों को किया जाता है। इसके पीछे मंशा यह रहती है कि कोई भी व्यक्ति इन दिनों में भूखा न रहे। नमक का दान भी कर सकते हैं। इससे पितर जल्द प्रसन्न होते हैं। इन दिनों में नमक का दान करना बेहद उपयुक्त माना गया है। तिल का दान भी श्रेष्ठ माना गया है। विशेष तौर पर काले तिल का दान करने से नकारात्मक शक्तियों का साया और संकट, विपदाओं से निजात मिलती है। यदि व्यक्ति को किसी तरह की आर्थिक समस्या नहीं है तो वह सोने-चांदी का भी दान ब्राह्मणों और जरूरतमंद लोगों को कर सकता है। सोने का दान करने से घर में कलह-क्लेश नहीं आता है। वहीं चांदी का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। इसके अलावा गुड़, घी, भूमि का दान भी कर सकते हैं। गुड़ का दान करने से दरिद्रता का नाश होता है। घी का दान करना शुभ माना गया है। भूमि दान करने से आर्थिक रूप से संपन्नता आती है। इन सभी में गौ दान का सबसे ज्यादा पुण्यदायक माना गया है। क्योंकि गौ दान करने से सुख-संपत्ति मिलती है।

जब दो ब्रम्हास्त्रों का सामना हुआ

महाभारत का युद्ध समाप्त हो चुका था. कौरवों की ओर से केवल तीन महारथी हीं जीवित बचे थे – अश्वत्थामा, कृपाचार्य और कृतवर्मा। दुर्योधन की मृत्यु से दुखी अश्वत्थामा ने पांडवों को छल से मारने की प्रतिज्ञा की. उसने दुर्योधन को मरते हुए वचन दिया था कि जैसे भी हो वो पांचों पांडवों को अवश्य मार डालेगा।

कृपाचार्य ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की पट अंतत: उन्होंने भी उसका साथ देने की स्वीकृति भर दी। युद्ध के समाप्त होने के पश्चात् कृष्ण पाँचों पांडवों को गंगा तट पर जागरण के लिए ले गए थे और उनके शिविर में उनके पाँचों पुत्र प्रतिविन्ध्य, सुतसोम, श्रुत्कार्मन, शतानीक एवं श्रुतसेन सोए हुए थे। इसकी जानकारी अश्वत्थामा को नहीं थी। उसे लगा कि पांडव हीं वहां सोए हुए हैं। उन्होंने इस पाँचों को सोते हुए हीं पांडव समझ कर मार डाला और प्रसन्नतापूर्वक लौट गए। उनके साथ साथ उन्होंने वहां विश्राम कर रहे सरे योद्धाओं को मौत के घाट उतार दिया जिसमे ध्रिस्द्युम्न और शिखंडी भी थे।

जब पांडव और द्रौपदी वापस आए तो उपने पुत्रों को मारा हुआ देख द्रौपदी विलाप करने लगी। उसके क्रोध का ठिकाना नहीं रहा। उसने पांडवों से कहा कि जब तक वो अश्वत्थामा का मारा हुआ मुख नहीं देख लेती वो अन्न जल ग्रहण नहीं करेगी।

अश्वत्थामा को पकडने के लिए पांडव चल दिए जो भागता हुआ महर्षि व्यास के आश्रम में पहुँच चुका था। वहां पहुंचकर भीम ने उससे युद्ध कर उसे परस्त किया। अपने पिता आचार्य द्रोण के वरदान के कारण अश्वत्थामा अमर था। उसे ब्रम्हास्त्र का ज्ञान भी था। उसने पांडवों को समाप्त करने के लिए उनपर ब्रम्हास्त्र चला दिया। पांडवों में ब्रम्हास्त्र का ज्ञान केवल अर्जुन को था। जब कृष्ण ने देखा कि ये ब्रम्हास्त्र पांडवों को मार कर हीं रहेगा तो उन्होंने विवश होकर अर्जुन से भी ब्रम्हास्त्र चलने को कहा क्योंकि एक ब्रम्हास्त्र का सामना केवल दूसरा ब्रम्हास्त्र हीं कर सकता था लेकिन इससे पूरी पृथ्वी का विनाश हो जाता। जब महर्षि व्यास ने देखा कि दोनों ब्रम्हास्त्र टकराने हीं वाले हैं तो उन्होंने देवर्षि नारद की सहायता से दोनों ब्रम्हास्त्रों को रोक दिया। उन्होंने अर्जुन और अश्वत्थामा को समझाया कि इससे पूरी पृथ्वी का विनाश हो जाएगा और उन दोनो को अपना ब्रम्हास्त्र वापस लेने को कहा।

उनकी आज्ञा मान कर अर्जुन ने तो अपना ब्रम्हास्त्र वापस ले लिए किन्तु अश्वत्थामा ब्रम्हास्त्र को वापस लेने कि कला नहीं जानता था। महर्षि व्यास ने कहा कि अगर वो अपना ब्रम्हास्त्र वापस नहीं ले सकता तो उसकी दिशा बदल कर उसके प्रभाव को सीमित कर दे। बदले की भावना में जलते अश्वत्थामा ने अपने ब्रम्हास्त्र की दिशा बदल कर उसे अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ पर गिरा दिया जिससे उसके गर्भ से एक मृत शिशु का जन्म हुआ।

उसके इस कृत्य से पांडव बडे क्रोधित हुए। वो ब्राम्हण था और अमर भी इस लिए वो उसका वध तो नहीं कर सकते थे इसलिए उन्होंने उसके मस्तक की मणि लेकर उसे आजीवन भटकने के लिए छोड़ दिया। बाद में कृष्ण की कृपा से उस शिशु को नया जीवनदान मिला जिससे उसका नाम जन्मेजय पडा।

दुर्वासा ऋषि

दुर्वासा हिंदुओं के एक महान ऋषि हैं। वे अपने क्रोध के लिए जाने जाते हैं। दुर्वासा सतयुग, त्रैता एवं द्वापर तीनों युगों के एक प्रसिद्ध सिद्ध योगी महर्षि हैं। वे महादेव शंकर के अंश से आविर्भूत हुए हैं। कभी-कभी उनमें अकारण ही भयंकर क्रोध भी देखा जाता है। वे सब प्रकार के लौकिक वरदान देने में समर्थ हैं।

महर्षि अत्रि जी सृष्टिकर्ता ब्रह्माजी के मानस पुत्र थे। उनकी पत्नी अनसूयाजी के पातिव्रत धर्म की परीक्षा लेने हेतु ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ही पत्नियों के अनुरोध पर श्री अत्री और अनसूयाजी के चित्रकुट स्थित आश्रम में शिशु रूप में उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी चंद्रमा के रूप में, विष्णु दत्तात्रेय के रूप में और महेश दुर्वासा के रूप में उपस्थित हुए। बाद में देव पत्नियों के अनुरोध पर अनसूयाजी ने कहा कि इस वर्तमान स्वरूप में वे पुत्रों के रूप में मेरे पास ही रहेंगे। साथ ही अपने पूर्ण स्वरूप में अवस्थित होकर आप तीनों अपने-अपने धाम में भी विराजमान रहेंगे। यह कथा सतयुग के प्रारम्भ की है। पुराणों और महाभारत में इसका विशद वर्णन है। दुर्वासा जी कुछ बडे हुए, माता-पिता से आदेश लेकर वे अन्न जल का त्याग कर कठोर तपस्या करने लगे। विशेषत: यम-नियम, आसन, प्राणायाम, ध्यान-धारणा आदि अष्टांग योग का अवलम्बन कर वे ऐसी सिद्ध अवस्था में पहुंचे कि उनको बहुत सी योग-सिद्धियां प्राप्त हो गई। अब वे सिद्ध योगी के रूप में विख्यात हो गए। तत्पश्चात् यमुना किनारे इसी स्थल पर उन्होंने एक आश्रम का निर्माण किया और यहीं पर रहकर आवश्यकता के अनुसार बीच-बीच में भ्रमण भी किया। दुर्वासा आश्रम के निकट ही यमुना के दूसरे किनारे पर महाराज अम्बरीष का एक बहुत ही सुन्दर राजभवन था। एक बार राजा निर्जला एकादशी एवं जागरण के उपरांत द्वादशी व्रत पालन में थे। समस्त क्रियाएं सम्पन्न कर संत-विप्र आदि भोज के पश्चात भगवत प्रसाद से पारण करने को थे कि महर्षि दुर्वासा आ गए। महर्षि को देख राजा ने प्रसाद ग्रहण करने का निवेदन किया, पर ऋषि यमुना स्नान कर आने की बात कहकर चले गए। पारण काल निकलने जा रहा था। धर्मज्ञ ब्राह्मणों के परामर्श पर श्री चरणामृत ग्रहण कर राजा का पारण करना ही था कि ऋषि उपस्थित हो गए तथा क्रोधित होकर कहने लगे कि तुमने पहले पारण कर मेरा अपमान किया है। भक्त अम्बरीश को जलाने के लिए महर्षि ने अपनी जटा निचोड़ क्रत्या राक्षसी उत्पन्न की, परन्तु प्रभु भक्त अम्बरीश अडिग खडे रहे। भगवान ने भक्त रक्षार्थ चक्र सुदर्शन प्रकट किया और राक्षसी भस्म हुई। दुर्वासाजी चौदह लोकों में रक्षार्थ दौड़ते फिरे। शिवजी की चरण में पहुंचे। शिवजी ने विष्णु के पास भेजा। विष्णु जी ने कहा आपने भक्त का अपराध किया है। अत:यदि आप अपना कल्याण चाहते हैं, तो भक्त अम्बरीश के निकट ही क्षमा प्रार्थना करें।

जब से दुर्वासाजी अपने प्राण बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे, तब से महाराज अम्बरीशने भोजन नहीं किया था। उन्होंने दुर्वासाजी के चरण पकड़ लिए और बड़े प्रेम से भोजन कराया। दुर्वासाजी भोजन करके तृप्त हुए और आदर पूर्वक राजा से भोजन करने का आग्रह किया। दुर्वासाजी ने संतुष्ट होकर महाराज अम्बरीश के गुणों की प्रशंसा की और आश्रम लौट आए। महाराज अम्बरीश के संसर्ग से महर्षि दुर्वासा का चरित्र बदल गया।

अब वे ब्रह्म ज्ञान और अष्टांग योग आदि की अपेक्षा शुद्ध भक्ति मार्ग की ओर झुक गए। महर्षि दुर्वासा जी शंकर जी के अवतार एवं प्रकाश हैं। शंकर जी के ईश्वर होने के कारण ही उनका निवास स्थान ईशापुर के नाम से प्रसिद्ध है। आश्रम का पुनर्निर्माण त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद्भक्ति वेदान्त गोस्वामी जी ने कराया।

सम्प्रति व्यवस्था सन्त रास बिहारी दास आश्रम पर रह कर देख रहे हैं। ब्रज मण्डल के अंतर्गत प्रमुख बारह वनों में से लोहवनके अंतर्गत यमुना के किनारे मथुरा में दुर्वासाजी का अत्यन्त प्राचीन आश्रम है। यह महर्षि दुर्वासा की सिद्ध तपस्या स्थली एवं तीनों युगों का प्रसिद्ध आश्रम है। भारत के समस्त भागों से लोग इस आश्रम का दर्शन करने और तरह-तरह की लौकिक कामनाओं की पूर्ति करने के लिए आते हैं।

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है 'मैं'। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि 'जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है' तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा। रावण विद्वान होने के साथ ही महापराक्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं 'मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है' अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा। पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मन:स्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

नित्य काशी में स्नान करते हैं भगवान दत्तात्रेय

आज भगवान दत्तात्रेय की जयंती है। दत्तात्रेय ऋषि अत्रि और देवी अनुसूया के पुत्र हैं। ब्रह्माण्ड पुराण की कथा के अनुसार देवी अनुसूया के पतिव्रत से प्रसन्न होकर त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश ने उनके घर पुत्र रूप में जन्म लेने का वरदान दिया। इस वरदान के फलस्वरूप ब्रह्मा चन्द्रमा रूप में, शिव जी ऋषि दुर्वासा के रूप में तथा भगवान विष्णु दत्तात्रेय के रूप में अवतरित हुए। श्रीमद्भागवत में भी इस कथा का उल्लेख मिलता है।

चन्द्रमा एवं ऋषि दुर्वासा ने तपस्या पर जाने से पूर्व अपना तेज और बल दत्तात्रेय को प्रदान कर दिया। इसके कारण दत्तात्रेय में ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश एकाकार हो गये। पुराण के अनुसार भगवान दत्तात्रेय जीवन-मरण के चक्र से मुक्त हैं और आज भी योगबल से संसार में भ्रमण करते हैं। मान्यता है कि दत्तात्रेय प्रतिदिन प्रात: काशी में गंगा-स्नान करते हैं। कोल्हापुर में नित्य जप और माहुरीपुरमें भिक्षा ग्रहण करते हैं। सह्याद्रि की कन्दराओं में यह विश्राम किया करते हैं। इसी मान्यता के कारण काशी स्थिति मणिकर्णिकाघाट की दत्तपादु को इनके भक्त पूजनीय स्थान मानते हैं।

तन्त्र शास्त्र के मूल ग्रन्थ रुद्रयामल के हिमवत् खण्ड में इस बात का उल्लेख किया गया है कि दत्तात्रेय भगवान सच्चे मन से ध्यान करने मात्र से भक्तों के कष्ट दूर करते हैं। इसलिए इन्हें स्मृतिगामी भी कहा जाता है। इनके विषय में मान्यता है कि यह प्रात: काल में ब्रह्मा रूप में रहते हैं। दोपहर में विष्णु रूप में तथा शाम के समय शिव रूप में विराजते हैं। भगवान दत्तात्रेय की तस्वीरों में उनके साथ एक गाय और चार कुत्ते दिखाये जाते हैं। मान्यता है कि जब यह अनुसूया के घर अवतरित हुए तब धरती ने गाय एवं वेदों ने कुत्ते का स्वरूप धारण कर लिया और अपने संरक्षण के लिए दत्तात्रेय के साथ रहने लगे।

आज के भागदौड़ और थकाने वाले जमाने में छात्रों की पूरी दिनचर्या बदल गई है। तनाव हावी होता है और भूख कम लगती है। कैफीनयुक्त चीजें व जंक फूड का सेवन बढ़ जाता है। वजन बढ़ने के साथ-साथ कुछ में इसका असर याद करने की क्षमता पर भी दिखाई देता है। याद किए हुए को याद रख पाने के लिए छह से सात घंटे की नींद जरूरी होती है, तो बेचैनी को कम करने के लिए ताजी हवा और पर्याप्त पोषण की। हमारे शरीर के कुल वजन का 2 वजन रखने वाला हमारा मस्तिष्क पूरे शरीर की 20 ऑक्सीजन और कैलोरी का इस्तेमाल करता है। पूरे दिन घर के भीतर किताब और लैपटॉप में समय बीतने के कारण पॉस्चर में आने वाला बदलाव फेफड़ों की क्षमता और ऑक्सीजन के स्तर को कम करता है, जिससे उलझन, याद न रख पाने जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

वो खाएं जो याददाश्त बढ़ाए

दिमाग की जरूरत को समझें

कई शोध साबित करते हैं कि किस तरह पर्याप्त पोषण मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाता है। यहां तक कि कुछ समय के लिए हुई पोषण की कमी भी मस्तिष्कीय कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा देती है और मस्तिष्क तक संदेश पहुंचाने वाले न्यूरोट्रांसमीटर्स की क्षमता को कम करती है। अक्सर छात्र कुछ भी आसानी से उपलब्ध हो जाने वाली खाने की तली-भुनी चीजें खाने लगते हैं। कैफीनयुक्त चीजों का सेवन बढ़ जाता है और शारीरिक सक्रियता कम हो जाती है। विटामिन ए, ई और सी जैसे एंटीऑक्सी डेंट्स से भरपूर खाने की चीजें मस्तिष्क की कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को रोकती हैं। विटामिन ए के लिए गाजर, ब्रोकली, मेवे और चने खाने चाहिए। विटामिन सी के लिए खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, मौसमी और विटामिन ई के लिए मूंगफली, पालक, वनस्पति घी आदि ले सकते हैं।

पालक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जिसमें बीटा केरोटीन, विटामिन सी और फॉलिक एसिड होता है, जिससे मस्तिष्क का तंत्रिका तंत्र प्रभावी ढंग से काम करता है। हीमोग्लोबिन की कमी होने पर मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की पूर्ति में कमी आती है। इसके लिए भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, तिल, बींस, मछली, डेयरी उत्पाद व रेड मीट आदि नियमित खाने चाहिए। अगर शरीर में आयरन की कमी है तो चिकित्सक की सलाह से आयरन, विटामिन बी-12 व फॉलेट सप्लीमेंट्स ले सकते हैं।

खाली पेट चाय पीने के ये हैं नुकसान

चाय भारतीय समाज का एक अभिन्न अंग बन चुकी है, जिसे हम चाह कर भी नजर अंदाज नहीं कर सकते। जिस दिन चाय ना पियों तो ऐसा लगता है मानों दिन की शुरुआत ही नहीं हुई है। भारत में लगभग 90 प्रतिशत लोग सुबह नाश्ते से पहले चाय जरुर पीते हैं। क्या आपको लगता है कि यह एक अच्छी आदत है? रिसर्च के अनुसार सुबह खाली पेट चाय पीना काफी नुकसानदायक हो सकता है, खासतौर पर गर्मियों में। चाय में कैफीन और टैनिन होते हैं जो कि शरीर में ऊर्जा भर देते हैं। काली चाय में अगर दूध मिला कर पिया जाए तो इससे एंटीऑक्सीडेंट खतम हो जाता है और फिर वह उतनी असरदार नहीं होती।

चाय पीने के फायदे भी अधिक हैं

- क्या आप का चाय पिये बिना काम नहीं चलता ? अगर ऐसा है तो चाय के बारे में कुछ जरुरी जानकारी है जो हम आपके साथ आज शेयर कर रहे हैं। अगर आप खाली पेट या फिर अधिक चाय पीते हैं तो आपको इसके नुकसान के बारे में जरुर पता होना चाहिए।
- क्या चाय पी कर मतली आती है चाय में ढेर सारा एसिड होता है जिसे खाली पेट सुबह पीने से पेट के रस पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए कई लोगों को सुबह चाय पीनी अच्छी नहीं लगती।
- क्या ब्लैक टी नुकसानदेह है अगर चाय में दूध ना मिलाया जाए तो वह काफी फायदा पहुंचाती है, जैसे मोटापा कम करना। पर अगर अधिक ब्लैक टी का सेवन किया जाए तो वह सीधे पेट पर असर करती है।
- दूध की चाय पीने के नुकसान अध्यन के अनुसार पाया गया है कि जो लोग खाली पेट बहुत अधिक दूध वाली चाय पीते हैं, उन्हें थकान का एहसास होता है। चाय में दूध मिलाने से एंटीऑक्सीडेंट का असर खतम हो जाता है।
- कड़ी चााय पीने के प्रभाव खाली पेट कड़ी चाय पीन से पेट को सीधा नुकसान पहुंच सकता है। कड़ी चाय से पेट में अल्सर और एसिडिटी हो सकती है।
- दो अलग-अलग चाय मिला कर पीने का नुकसान अध्यन के अनुसार पता चला है कि अगर आप दो अलग अलग ब्रैंड की चाय एक साथ मिला कर पियेंगे तो उसका असर काफी तेज होगा और आपको ऐसा महसूस होगा कि आप नशा चढ़ चुका है।
- चाय के साथ बिस्कुट खाने से क्या होता है चाय के साथ बिस्कुट या अन्य चीजें खाने से पेट द्वारा चाय अच्छी तरह से पचा ली जाती है। दूसरी ओर चाय के साथ नमकीन या मीठा खाने से शरीर को सोडियम की प्राप्ती होती है, जिससे अल्सर नहीं होता।
- चााय पीने की गंदी आदत क्या है चाय में टैनिन होता है, खासतौर पर गहरे रंग वाली चाय में। ऐसे में वह आपके खाने में मौजूद आयरन के साथ रिएक्ट कर सकती है इसलिये दोपहर में खाना खाने के बाद चाय ना पिएं।
- प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ता है जो पुरुष दिन में 5-कप चाय पीते हैं, उन्हें प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ता है, ऐसी बात एक अध्यन में आई है। इससे पहले कई शोधो में दावा किया गया है कि चाय पीने से कैंसर का खतरा टलता है।

हर मामले में जरूरी नहीं जोड़ प्रत्यारोपण

गठिया एक ऐसी बीमारी है, जो उम्र बढ़ने के साथ किसी भी व्यक्ति को अपनी चपेट में ले सकती है। खासकर मिडिल एज के लोगों और वृद्धजनों को गठिया की समस्या कुछ ज्यादा ही प्रभावित करती है। यह सच है कि जोड़ प्रत्यारोपण उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों के क्षतिग्रस्त हुए कार्टिलेज की समस्या के दूर करने का कारगर व सुरक्षित उपचार है, लेकिन हर मामले में जोड़-प्रत्यारोपण की जरूरत नहीं होती। इसलिए जोड़ प्रत्यारोपण के अन्य विकल्पों के बारे में भी जानना जरूरी है।

पहला विकल्प : गठिया की शुरुआती स्थिति में फिजियोथेरेपी और कई प्रकार की दवाएं दी जाती हैं। ये दवाएं मरीज को राहत दिलाने के साथ-साथ मर्ज को बढ़ने से भी रोकती हैं।

दूसरा विकल्प : इंट्रा आर्टीकुलर इंजेक्शन दूसरा विकल्प है। इस विकल्प के अंतर्गत विभिन्न तरह की दवाएं इंजेक्शन के जरिए दी जाती हैं। ये दवाएं मरीज को गठिया से राहत दिलाने में मददगार होती हैं।

तीसरा विकल्प : आर्थोस्कोपिक सर्जरी के जरिए दूरबीन विधि द्वारा गठियाग्रस्त जोड़ को दर्द रहित और गतिशील बनाया जा सकता है।

चौथा विकल्प : इसके अंतर्गत ऑस्टियोटॉमी को शुमार किया जाता है। क्षतिग्रस्त जोड़ को ऑस्टियोटॅमी विधि के जरिए जोड़ के विभिन्न भागों में पडने वाले दबावों को स्थानांतरित करके गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है।

पांचवा विकल्प : इस विकल्प के अंतर्गत आंशिक प्रत्यारोपण किया जाता है। जब जोड़ का सिर्फ कुछ भाग ही क्षतिग्रस्त है, तब पूर्ण प्रत्यारोपण की बजाय आंशिक प्रत्यारोपण से भी अनेक मरीजों को राहत मिल सकती है।

डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी दुनियाभर में फैली है। हर 5में से 4 लोग इस बीमारी का शिकार हैं। वहीं भारत में तो यह बीमारी सबसे बड़ा गढ़ बनी हुई है। इसका सबसे बड़ा कारण हमारा लाइफस्टाइल है। अगर खाने-पीने की आदतों को थोड़ा सुधार लिया जाए तो काफी हद तक इस बीमारी को कंट्रोल किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि खाली पेट सुबह सबसे पहले अपना शुगर लेवल चेक करें और रात को सोते समय भी अपना शुगर लेवल चेक कर लें क्योंकि इसकी मदद से आप उसी तरह की डाइट ले सकते हैं।

डायबिटीज को कंट्रोल में रखने के तरीके

व्यायाम- कसरत करने से खून का दौरा सही रहता है, जिससे खून मेंशक्कर की मात्रा भी काबू में ही रहती है।

मीठी चीजों से करें परहेज- आपको चीनी, गुड़, शहद, कोल्ड ड्रिंक्स आदि कम खानी चाहिए जिससे रक्त में शर्करा का स्तर बिल्ल्कुल नियंत्रण में रहे। ज्यादा मीठी चीजे और मीठे पेय पदार्थों का सेवन इंसुलिन के लेवल को बढ़ा सकता है।

सोया- डायबिटीज को कम करने के लिए सोया जादुई असर दिखाता है। इसमें मौजूद इसोफ्लावोन्स शुगर लेवल को कम कर के शरीर को प्रोषण पहुंचाता है। थोड़ी थोड़ी मात्रा में इसका सेवन करें।

ग्रीन टी- रोजाना बिना चीनी की ग्रीन टी पीजिए क्योंकि इसमें एंटी ऑक्सीडेंट होता है जो कि शरीर में फ्रीरैडिकल्स से लड़ाई करता है और ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करता है।

कॉफी- ज्यादा कैफीन लेने से हृदय रोग की समस्या हो सकती है, लेकिन अगर यह हद में रह कर ली जाए तो काफी हद तक यह ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन कर सकती है।

खाने का खास ख्याल- थोड़ी-थोड़ी देर पर खाना नहीं लेते रहने से हाइपोग्लाइसेमिया होने की आशंका काफी बढ़ जाती है, जिसमें शुगर 70 से भी कम हो जाती है। हर ढ़ाई घंटे बाद थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खाना खाते रहें। दिन भर में 3 बार खाने के बजाए थोड़ा-थोड़ा 6-7 बार खाएं।

फाइबर- खून में से शुगर को सोखने में फाइबर का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए आपको गेहूं, ब्राउन राइस या वीट ब्रेड आदि खाना चाहिए, जिससे शरीर में ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल रहेगा, जिससे मधुमेह का रिस्क कम होगा।

ताजे फल और सब्जियां- ताजे फलों में विटामिन ए और सी होता है जो कि खून और हड्डियों के स्वास्थ्य को मेंटेन करता है। इसके अलावा जिंक, पोटैशियम, आयरन का भी अच्छा मेल पाया जाता है। पालक, खोभी, करेला, अरबी, लौकी आदि मधुमेह में स्वास्थ्य वर्धक होती हैं। यह कैलोरी में कम और विटामिन सी, बीटा कैरोटीन और मैगनीशियम में ज्यादा होती हैं, जिससे मधुमेह ठीक होता है।

दालचीनी- दालचीनी, शरीर की सूजन को कम करता है तथा इंसुलिन लेवल को नियंत्रित करता है। इसको आप खाने, चाय या फिर गरम पानी में एक चुटकी दालचीनी पाउडर मिक्स कर पीएं।

टैंशन से दूर रहें- ऑक्सीटोसिन और सेरोटिन दोनों ही नसों की कार्यक्षता पर असर डालते हैं। तनाव होने पर एड्रानलिन का रिसाव होता है तब यह डिस्टर्ब हो जाता है और डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

उच्च प्रोटीन डाइट- जो लोग नॉन वेज खाते हैं उन्हें अपनी डाइट में लील मीट शामिल करना चाहिए। उच्च प्रोटीन डाइट खाने से शरीर में ताकत बनी रहती है क्योंकि मधुमेह रोगियों को कार्बोहाइड्रेट और हाई फैट से दूर रहने के लिए कहा गया है।

खूब पानी पीएं- पानी खून में बढ़ी शुगर को इक्ट्ठा करता है, जिस वजह से आपको 2.5 लीटर पानी रोजाना पीना चाहिए। इससे ना ही आपको हृदय रोग होगा और ना ही डायबिटीज।

नमक पर रोक- नमक की सही सीमा आपको डायबिटीज को कंट्रोल करने मे मदद करेगा। ज्यादा नमक खाने से शरीर में हार्मोनल खराबी पैदा हो जाती है। इससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

सिरका- खून मे एकाग्र शुगर को सिरका खुद के साथ घोल कर हल्का कर देता है। स्टडी में कहा गया है कि भोजन करने के पहले 2 चम्मच सिरका लेने से ग्लूकूज का फ्लो कम हो जाएगा।

40 पार मां बनना चाहती हैं, तो रखें इन बातों का ध्यान

एक अध्ययन से पता चला है कि 95 फीसदी महिलाएं करियर और परिवार के बीच में परिवार को ही चुनती हैं। करियर के तरफ बढने के दौरान, महिलाओं पर मां बनने का भी दबाव होता है क्योंकि इसमें देरी करने पर उम्र बढ़ने से मां बनने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसकी वजह से वे अपने करियर में सहयोगियों से बेहतर होते हुए भी पिछड़ती जाती हैं। लेकिन कुछ महिलाएं अपना करियर बीच मे नहीं छोड़तीं और 40 पार कर जाने के बाद भी मां बनने के सपने को साकार करना चाहती हैं। लेकिन महिलाओं की प्रजनन क्षमता 35 की उम्र आते-आते कम होनी शुरू हो जाती है। ऐसा नहीं है कि वे इस उम्र के बाद प्रेगनेंट नहीं हो सकतीं। आप अगर 40 पार भी मां बनने की इच्छा रखती हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आपकी प्रजनन क्षमता बरकरार रहे। उम्र बढने के साथ एग की क्वांटिटी और क्वालिटी दोनों कम होती जाती है। 25 से 30 वर्ष की उम्र में अपना एग फ्रीज कराकर अपने मां बनने के सपने को 40 साल की उम्र में भी पूरा कर सकती हैं।

- सही प्रकार के प्रोटीन प्रजनन क्षमता को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं; टोफू, चिकन, अंडे, और कुछ सी-फूड्स में उच्च स्तर पर ओमेगा -3 फैटी एसिड, लोह-तत्व, सेलेनियम इत्यादि पाए जाते हैं। आपके विटामिन में फोलिक एसिड, कैल्शियम और लोह-तत्व मौजूद हों। इसके लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, साबुत अनाज और दालें खाएं। किसी भी तरह के यौन रोग न हों, इसके लिए सेफ सेक्स पर गौर करें।

- वजन कम करें। अध्ययन बताते हैं की मोटापे से ग्रस्त महिलाओं को गर्भधारण करने में ज्यादा कठिनाई आती है और उन्हें गर्भावस्था के दौरान अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि आपका बॉडी मास इंडेक्स (बी.एम.आई.) थोड़ा अधिक है, तो डाइट ठीक करें और साथ ही एक्सरसाइज भी करें या फिर योगाभ्यास शुरू करें।
- धूम्रपान त्यागें। यह न सिर्फ गर्भावस्था के लिए हानिकारक है अपितु यह गर्भ धारण करने में भी बाधा पैदा कर सकता है।
- एक कहावत है कि हंसी सबसे अच्छी दवा है। अधिकांश डॉक्टर भी मानते हैं कि यह 100 प्रतिशत सही है। तो फिर दिल से क्यों न हंसा जाए। अगर आप जोर से हंसती हैं या मुस्कराती भी हैं तो आपके शरीर में फील गुड हारमोन्स का स्त्रव होता है, जो तनाव पैदा करने वाले कोर्टीसोल नामक हार्मोन को नष्ट करता है। इससे आप ज्यादा सेहतमंद रह पाएंगी। हंसने से चेहरे की माशपेशियों का भी व्यायाम हो जाता है।

संपादकीय

सांसद पर भीड़ का हमला

तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद एवं पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने ऐसा हमला किया कि लोकतंत्र पर सवाल उठने लगे। अभिषेक पर अंडे फेंके गए, पत्थर मारे गए, लात-थप्पड़ तक चले, उनकी कमीज फाड़ दी गई, उन्हें 'चोर, चोर' कहा गया, उनका चश्मा भी तोड़ दिया गया। सांसद को हेलमेट पहना कर, किसी तरह, वहां से निकाला गया। वह अब भी अस्पताल में भर्ती बताए जाते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की, 15 लंबे सालों की सत्ता के बाद, करारी पराजय हुई है। मुख्यमंत्री रहीं एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी तक हार गईं। अभिषेक ममता के ही सगे भतीजे हैं। बंगाल की जनता ने जनादेश के जरिए अपना गुस्सा, असंतोष, तृणमूल सरकार के प्रति नाराजगी और अस्वीकृति जता दी है। लोकतंत्र का बुनियादी अध्याय यहीं समाप्त होना चाहिए। अभिषेक पर भ्रष्टाचार, कटमनी, अवैध संपत्तियों, कोयला घोटाला, शिक्षा भर्ती घोटाला और धनशोधन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियां और अदालत अपना काम कर रही हैं। अभिषेक दक्षिण 24, परगना के सोनारपुर इलाके में चुनावी हिंसा के शिकार पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने तथा सहानुभूति जताने जा रहे थे। संभव है कि उस इलाके में सडक़ों, बिजली, पानी, नालियों का रखरखाव और उनकी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, लिहाजा लोगों का उत्तेजित होना, हारे हुए नेता के खिलाफ नारेबाजी करना, सीमित विरोध-प्रदर्शन करना स्वाभाविक है, लेकिन वह सब कुछ कानून-व्यवस्था के दायरे में किया जाना चाहिए। संयम और नियंत्रण की 'लाल लकीर' पार नहीं की जानी चाहिए, लेकिन भारत में सब कुछ उलट ही होता है। भीड़ कानून नहीं बना सकती। भीड़ सजा नहीं सुना सकती और न ही सजा दे सकती है। भीड़ का ऐसा व्यवहार पूरी तरह कानूनहीनता है। चुनाव तो देश की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी, कई मुख्यमंत्री और मंत्री हारे हैं। भीड़ शारीरिक हिंसा पर आमादा नहीं हो सकती। भारत में भीड़ अक्सर निरंकुश और हिंसक रही है। यह देश के कई हिस्सों में दंगों के दौरान देखा गया है। भीड़ पथराव करती है, लाठियां-तलवारें चमकाती है और पेट्रोल बम तक भी फेंकती है। क्या फिर भी हम 'महान लोकतंत्र' हैं? क्या इन आपराधिक हरकतों को 'लोकतंत्र' माना जा सकता है? तीन बार के निर्वाचित सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ भीड़ ने जो किया है, वह निश्चित तौर पर अराजकता, सड़किया गुंडई, बेलगाम हिंसा, उन्माद, उच्छृंखलता के अलावा कुछ भी नहीं है। भीड़ का एक चेहरा देश के रक्षा-कृषि मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद शरद पवार को थप्पड़ रसीद कर देता है, केंद्रीय वित्त-गृह मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम पर जूता उछाला जाता है, दिल्ली के 10 साल मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल के चेहरे पर कई बार कालिख पोती गई। बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पथराव किया गया। पिछले चुनाव में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के तत्कालीन प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय पर भी हमले किए गए। आज एक और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला किया गया। यह कैसा लोकतंत्र है? ये हरकतें क्या दर्शाती हैं? बंगाल में अब भाजपा की सरकार है और सुवेन्दु अधिकारी मुख्यमंत्री हैं। वह बहुत तेजी से व्यवस्था बदलने में जुटे हैं। कई सांप्रदायिक बदलाव भी किए गए हैं। बांग्लादेश सीमा पर 600 किमी से ज्यादा लंबी बाड़बंदी होगी। उसके लिए बीएसएफ को जमीन दी जा चुकी है। माहौल हिंदुत्व का है। जिस भीड़ ने अभिषेक पर हमला किया, उसमें से 'जय सिया राम' की आवाजें भी बुलंद थीं। धर्म चाहिए अथवा बुनियादी ढांचा दुरुस्त होना चाहिए? अच्छा है कि नई सरकार आने के बाद कथित घुसपैठिए बांग्लादेश बॉर्डर तक भाग रहे हैं, लेकिन यह इतना आसान काम नहीं है, जितना दिखाया जा रहा है। सवाल यह है कि सांसद की सुरक्षा का दायित्व अब किसका है? राज्य सरकार ने अभिषेक की जेड सुरक्षा छीन ली। यह सरकार का अपना मूल्यांकन होगा, लेकिन सांसद के साथ जब मारी-पीटी की जा रही थी, तब एक भी पुलिसिया चेहरा दिखाई नहीं दिया। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बल के जवान वाहनों में तुरत-फुरत आए और सांसद को निकाल कर ले गए।

सांसद को हेलमेट पहना कर, किसी तरह, वहां से निकाला गया। वह अब भी अस्पताल में भर्ती बताए जाते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की, 15 लंबे सालों की सत्ता के बाद, करारी पराजय हुई है। मुख्यमंत्री रहीं एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी तक हार गईं। अभिषेक ममता के ही सगे भतीजे हैं। बंगाल की जनता ने जनादेश के जरिए अपना गुस्सा, असंतोष, तृणमूल सरकार के प्रति नाराजगी और अस्वीकृति जता दी है। लोकतंत्र का बुनियादी अध्याय यहीं समाप्त होना चाहिए। अभिषेक पर भ्रष्टाचार, कटमनी, अवैध संपत्तियों, कोयला घोटाला, शिक्षा भर्ती घोटाला और धनशोधन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियां और अदालत अपना काम कर रही हैं। अभिषेक दक्षिण 24, परगना के सोनारपुर इलाके में चुनावी हिंसा के शिकार पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने तथा सहानुभूति जताने जा रहे थे। संभव है कि उस इलाके में सडक़ों, बिजली, पानी, नालियों का रखरखाव और उनकी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, लिहाजा लोगों का उत्तेजित होना, हारे हुए नेता के खिलाफ नारेबाजी करना, सीमित विरोध-प्रदर्शन करना स्वाभाविक है।

कुछ अलग

सरकारी टोंटी चोरी

पुलिस ने सरकारी कार्यालय से गुम हुईं टोंटियां क्या खोजीं, आधे शहर को विश्वास हो गया कि इस तरह अब खोज बढ़ी तो कई चोरियां सामने आ जाएंगी। पुलिस ने बाकायदा प्रेस वार्ता करके बताया कि टोंटियां ढूंढना कितना खतरनाक अभियान है। एक टोंटी सरकारी और ऊपर से इसकी शक्ल सूरत ऐसी कि ढूंढे न मिले। सरकारी कार्यालय में भले ही कुछ दिखाई न दे, लेकिन इसे गुम होना नहीं माना जा सकता। सरकारी कार्यालयों में दरअसल चोरी नहीं होती, बल्कि सामान, समय और कार्य खिसक जाता है। वैसे आज तक किसी कार्यालय के नलकों ने आम जनता को पानी ही नहीं पिलाया, तो टोंटियां खोने से हमें क्या फर्क पड़ता। हमें तो सरकारी बसों के रुकने तक का फर्क नहीं पड़ता। लोग बाग सरकारी जमीनें चुरा लेते, तो यह सामान और सामग्री का क्या। सरकारी कर्मचारियों के बच्चे दरअसल अपने होमवर्क के लिए दफ्तर के कागज और पेन-पेंसिल के काबिल कब बन गए, यह उन्हें पता ही नहीं चलता। खैर पुलिस वार्ता में दर्जनों टोंटियां प्रदर्शित थीं। कुछ लंबी गर्दन वाली, कुछ ठिगनी, कुछ चमकदार, कुछ घिसी हुईं और कुछ टूटी हुईं। एक पत्रकार ने पूछ लिया, 'जनाब! यह कैसे साबित करेंगे कि टोंटी डीसी आफिस से चोरी हुई या एसपी कार्यालय से। इन्हीं कार्यालयों से ही नहीं, कमोबेश हर दफ्तर से टोंटियां गायब हुई हैं।' टोंटियों ने पुलिस विभाग का आत्मविश्वास इतना बढ़ा दिया था कि उसने यकीन से कहा कि ये हैं तो डीसी आफिस की ही। पत्रकार ने फिर पूछ लिया, 'क्या डीसी आफिस ने इनकी पहचान कर ली है।'

अल-नीनो के सक्रिय होने से देश के कई हिस्सों में बारिश पर बुरा असर पड़ सकता है

कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती

मौसम विभाग ने साल 2026 के मानसून के अपने पुराने अनुमान को और घटा दिया है। पहले जहां आईएमडी ने लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलआरए) की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान लगाया था, वहीं अब इसे घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में इस साल 'सामान्य से कम' बारिश होने की पूरी आशंका है। इस पूर्वानुमान में 4 फीसदी का मॉडल एरर (ऊपर या नीचे) हो सकता है। अगर मौसम विभाग का यह ताजा अनुमान सच साबित होता है, तो भारत पिछले एक दशक के सबसे सूखे मानसून का सामना करेगा। इससे पहले साल 2015 में भारत में इतनी कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, जब मानसून सामान्य से लगभग 13 फीसदी कम था। चूंकि मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश कम होगी, अतएव पहले से ही ईरान युद्ध के कारण महंगाई की मार झेल रहे भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं।

हाल ही में 29 मई को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश की धडक़न माने जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग ने साल 2026 के मानसून के अपने पुराने अनुमान को और घटा दिया है। पहले जहां आईएमडी ने लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलआरए) की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान लगाया था, वहीं अब इसे घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में इस साल 'सामान्य से कम' बारिश होने की पूरी आशंका है। इस पूर्वानुमान में 4 फीसदी का मॉडल एरर (ऊपर या नीचे) हो सकता है। अगर मौसम विभाग का यह ताजा अनुमान सच साबित होता है, तो भारत पिछले एक दशक के सबसे सूखे मानसून का सामना करेगा। इससे पहले साल 2015 में भारत में इतनी कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, जब मानसून सामान्य से लगभग 13 फीसदी कम था। चूंकि मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश कम होगी, अतएव पहले से ही ईरान युद्ध के कारण महंगाई की मार झेल रहे भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। स्पष्ट है कि अल-नीनो के सक्रिय होने से देश के कई हिस्सों में बारिश पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे फसलों की प्लानिंग और किसानों की कमाई प्रभावित होगी। यदि हम देश में पिछले कमजोर मानसूनों और अलनीनों के प्रभाव का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि सामान्य से कम मानसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई, किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। साथ ही दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य महंगाई पर असर डाल सकता है। एक ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल किसानों और कृषि पर, वरन आम आदमी और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। साथ ही पेयजल समस्या की चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। वस्तुतः जलाशयों में पर्याप्त पानी 2025 के मानसून सीजन में अच्छी बारिश के कारण है, लेकिन अब इस साल कमजोर मानसून की आशंका से पानी का संग्रहित स्टॉक जल्दी खत्म हो सकता है। गौरतलब है कि नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स (सीडब्ल्यूएमआई) के अनुसार लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में

मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मानसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। वास्तव में देश के किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ाने वाला यह परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। ऐसे में इस वर्ष सामान्य से कम मानसून और खेती की बढ़ती लागत के मद्देनजर अभी से कई बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। इस बात पर ध्यान देना होगा कि कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। चूंकि देश के विभिन्न हिस्सों में विविध जलवायु है और कृषि अनुकूल जलवायु क्षेत्रों के मामले में वह समृद्ध है, अतएव ऐसे में भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढऩा होगा। चूंकि देश में अभी भी अनाज, दाल तथा तिलहन के उत्पादन का स्तर मौसम पर ही निर्भर होता है, ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार आधार का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। हमें कमजोर मानसून और अल नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ईरान-अमरीका संकट के बीच भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक सुरक्षा कवच की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। हमें गेहूं के निर्धारित निर्यात आदेशों की पूर्ति के साथ गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। ऐसे में अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा। चूंकि इस साल खरीफ सीजन की बुआई शुरू होने से पहले ही देश के किसानों और नीति-निर्माताओं की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं और मौसम विभाग के ताजा अनुमानों ने संकेत दिए हैं कि देश के कई हिस्सों में इस बार पिछले 10 सालों का सबसे खराब और सूखा मानसून देखने को मिल सकता है। ऐसे में अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार को रणनीतिपूर्वक आगे बढऩा होगा। किसानों को इस बड़े मौसमी संकट से बचाने के लिए सरकार ने 1 जून 2026 से देशव्यापी 'खेत बचाओ' अभियान के तहत आगे बढऩे की रणनीति बनाई भी है। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह (क्रॉप-स्पेसिफिक एडवाइजरी) दी जाएगी ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही फैसला ले सकें। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सिर्फ जानकारी बांटना नहीं है, बल्कि जमीन पर जाकर किसानों को यह बताना है कि उन्हें कम बारिश या सूखे के खतरे वाले इलाकों में कौनसी फसल बोनी चाहिए, किस फसल की तरफ बदलाव करना चाहिए और उनके पास पारंपरिक खेती के क्या बेहतर विकल्प मौजूद हैं। किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से व्यावहारिक गाइडेंस दी जाएगी। यह बात महत्वपूर्ण है कि इस बड़े संकट से निपटने के लिए सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। देश के कोने-कोने तक अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए 1600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। इनमें से 500 टीमें विशेष रूप से देश के उन 100 जिलों में तैनात की जाएंगी, जहां रासायनिक खादों की खपत सबसे ज्यादा है। इस अभियान के जरिए सरकार अपनी अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी सीधे किसानों तक पहुंचाएगी। टीमें खेतों में जाकर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम-किसान जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेंगी। इसके साथ ही दालों और तिलहन के उत्पादन को बढ़ाने, ऑयल पाम की खेती, कॉटन मिशन, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और जल संरक्षण जैसे अभियानों को भी इसी अभियान से जोडक़र जागरूकता फैलाई जाएगी। उम्मीद करें कि सरकार इस वर्ष 2026 में राष्ट्रीय और वैश्विक मौसम अनुमानों में भारत के लिए बताए गए कमजोर मानसून, अलनीनो और कृषि की बढ़ी हुई लागत संबंधी चुनौतियों से निपटेगी।

देश दुनिया से

संपत्ति की भूख और बिखरते रिश्ते

हरियाणा की धरती को लंबे समय तक पारिवारिक प्रेम, भाईचारे और संयुक्त परिवारों की संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है। गांवों की चौपालों में रिश्तों की गर्माहट दिखाई देती थी। परिवार केवल खून का रिश्ता नहीं था, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा और सम्मान का आधार माना जाता था। दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची और भाई-बहन मिलकर एक ऐसी सामाजिक संरचना बनाते थे, जहाँ व्यक्ति अकेला नहीं पड़ता था। परिवार की खुशियाँ सामूहिक होती थीं और दुख भी मिलकर सहन किए जाते थे। खेतों में मेहनत से लेकर घर के निर्णयों तक, सब कुछ साझेपन की भावना से चलता था। उस समय यह कल्पना भी कठिन थी कि कोई व्यक्ति संपत्ति के लिए अपने ही परिवार के सदस्य का दुश्मन बन सकता है। लेकिन बदलते समय के साथ समाज की तस्वीर तेजी से बदली है। आर्थिक प्रतिस्पर्धा, शहरीकरण, बढ़ती भौतिक इच्छाएँ और उपभोक्तावादी सोच ने रिश्तों की आत्मीयता को धीरे-धीरे कमजोर कर दिया है। अब वही परिवार, जो कभी प्रेम और सहयोग की मिसाल होते थे, संपत्ति और पैसों के विवादों में टूटते दिखाई दे रहे हैं। जमीन का छोटा-सा टुकड़ा, विरासत का हिस्सा या पैसों का लेन-देन कई बार ऐसे संघर्षों को जन्म दे रहा है, जिनका अंत हिंसा और हत्या तक पहुँच रहा है। आज हरियाणा ही नहीं, पूरे देश में ऐसे समाचार लगातार सामने आते हैं, जहाँ भाई ने भाई की हत्या कर दी, बेटे ने पिता पर हमला कर दिया या चाचा-भतीजे के रिश्ते खून से रंग गए। यह घटनाएँ केवल अपराध नहीं हैं, बल्कि समाज के भीतर बढ़ते नैतिक पतन का संकेत हैं। परिवारों के भीतर बढ़ती यह हिंसा बताती है कि धन और संपत्ति अब रिश्तों से अधिक महत्वपूर्ण मानी जाने लगी है। हरियाणा जैसे राज्यों में जमीन केवल खेती का साधन नहीं रही। शहरीकरण और औद्योगिक विस्तार के कारण जमीनों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। जिन खेतों की कीमत कभी सामान्य थी, वे आज करोड़ों रुपये की संपत्ति बन चुके हैं। यही आर्थिक परिवर्तन कई परिवारों के भीतर तनाव का कारण बन रहा है। पहले जिस जमीन को परिवार मिलकर जोतता

था, अब उसी जमीन के बंटवारे को लेकर भाई-भाई अदालतों में लड़ रहे हैं। कई मामलों में यह विवाद कानूनी सीमाओं को पार कर हिंसक रूप ले लेते हैं। संयुक्त परिवारों के टूटने ने भी इस समस्या को गंभीर बनाया है। पहले परिवार में बड़े-बुजुर्ग मध्यस्थ की भूमिका निभाते थे। यदि किसी बात को लेकर विवाद होता, तो परिवार के सम्मानित सदस्य बैठकर समाधान निकाल लेते थे। उनकी बात को अंतिम माना जाता था। लेकिन अब एकल परिवारों का चलन बढ़ गया है। परिवार छोटे होते गए और संवाद भी कम होता गया। जब परिवार के सदस्य अलग-अलग रहने लगे, तब उनके बीच भावनात्मक दूरी भी बढ़ी। यही दूरी कई बार अविश्वास और स्वार्थ को जन्म देती है। आधुनिक समाज में व्यक्ति की सफलता को उसकी आर्थिक स्थिति से मापा जाने लगा है। बड़ा घर, महंगी गाड़ी और अधिक संपत्ति आज सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुके हैं। सोशल मीडिया और बाजारवादी संस्कृति ने इस सोच को और मजबूत किया है। हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने की दौड़ में शामिल दिखाई देता है। इस दौड़ में रिश्तों की संवेदनशीलता पीछे छूटती जा रही है। व्यक्ति अपने परिवार को सहयोगी के बजाय हिस्सेदार और प्रतिस्पर्धी की तरह देखने लगा है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो संपत्ति विवाद केवल आर्थिक संघर्ष नहीं होते। इनके पीछे असुरक्षा, अहंकार, तुलना और अधिकार की भावना भी काम करती है। कई बार व्यक्ति को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, उसे कम हिस्सा मिला है या परिवार में उसकी उपेक्षा हुई है। यही भावनाएँ धीरे-धीरे क्रोध और हिंसा में बदल जाती हैं। परिवार के भीतर वर्षों से दबा तनाव किसी छोटे विवाद के समय विस्फोटक रूप ले लेता है। भारतीय समाज में पुरुष प्रधान मानसिकता भी इन विवादों को बढ़ाने में भूमिका निभाती है। संपत्ति को लेकर बेटों के बीच प्रतिस्पर्धा अधिक देखने को मिलती है। कई बार माता-पिता भी अनजाने में बच्चों के बीच भेदभाव कर देते हैं। किसी एक बेटे को अधिक महत्व देना या संपत्ति के बंटवारे में असमानता बरतना भविष्य के संघर्षों की नींव बन जाता है। यह तनाव वर्षों तक भीतर जमा रहता है और बाद में बड़े विवाद का कारण बनता है। आज अदालतों में संपत्ति विवादों के लाखों मामले लंबित हैं। परिवार वर्षों तक कानूनी लड़ाइयों में उलझे रहते हैं। मुकदमों में समय, पैसा और मानसिक शांति सब नष्ट हो जाते हैं। अदालतों के चक्कर लगाते-लगाते रिश्तों में इतनी कड़वाहट भर जाती है कि मेल-मिलाप की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। कई बार तो अगली पीढ़ियाँ भी इस दुश्मनी को विरासत की तरह ढोने लगती हैं। विडंबना यह है कि जिस संपत्ति के लिए लोग अपने रिश्तों को नष्ट कर देते हैं, वही संपत्ति अंततः उन्हें मानसिक शांति नहीं दे पाती। धन सुविधाएँ दे सकता है, लेकिन वह आत्मीयता और विश्वास नहीं दे सकता। जिन भाइयों ने बचपन साथ खेलते हुए बिताया, वे एक-दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं। जिन माता-पिता ने बच्चों को पालने-पोसने में पूरा जीवन लगा दिया, वही वृद्धावस्था में अपने ही बच्चों के बीच असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। यह स्थिति केवल पारिवारिक संकट नहीं, बल्कि सामाजिक त्रासदी है। ग्रामीण समाज में यह समस्या और अधिक जटिल इसलिए हो गई है क्योंकि वहाँ जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक भी है।

आप का नज़रिया

ये सहज चुनाव नहीं

नगर निगमों के दर्पण में सत्ता बनाम विपक्ष के बीच चुनाव ने अपना रेखांकन कर दिया और इस तरह भाजपा ने शहरी मतदाता के सामने अपनी सफल यात्रा का वर्णन किया है। धर्मशाला, मंडी व सोलन में भाजपा और पालमपुर में कांग्रेस ने अपना जलवा दिखाया, तो इस अंकगणित में कई बड़े नेताओं की असफलताओं का ठीकरा फूटा है। पालमपुर में भाजपा की तमाम शर्तें, वादे और तैयारियां धराशायी हुईं, तो यह मानना पड़ेगा कि बुटेल परिवार के संपर्क और साधना कारगर साबित हुई। बतौर विधायक आशीष बुटेल ने विधानसभा का आधा चुनाव जेब में डाल लिया है। एक बार फिर भाजपा के अनार ने कई नेताओं को बिमारू घोषित कर दिया। पालमपुर की कसमों-वादों पर भाजपा के तमाम बड़े नेता औंधे मुंह गिरे हैं। कभी राष्ट्रीय फलक के सितारे रहे शांता कुमार सरीखे नेता भी अब पालमपुर परिक्रमा से बेदखल हो रहे हैं, तो राजनीतिक खजाने में विपिन सिंह परमार, त्रिलोक कपूर, इंदु गोस्वामी तथा अपनी-अपनी मुद्राओं के माहिर कई नेताओं को आत्मचिंतन कर लेना चाहिए। कांगड़ा के दूसरे नगर निगम धर्मशाला की सौगात कांग्रेस को नहीं मिली, तो यहां के संदेश सत्तारूढ़ दल को पढ़ लेने चाहिए। सत्ता की लावारिस गलियों तथा आवारा हालात तक पहुंचे धर्मशाला शहर की ये सिसकियां हैं या श्राप हैं, जो कांग्रेस को मिले। जाहिर है जो शहर प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी, स्मार्ट सिटी, खेल नगरी, पर्यटन राजधानी, इवेंट सिटी और शिक्षा का हब बना मुस्करा रहा था, उसके छिलके उतर गए, तो यह सहज चुनाव नहीं था। बेशक स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा का कांग्रेस से उतर कर भाजपा का दामन थामना, सत्ता पक्ष की धमनियों को रंजिश से भर गया, लेकिन इसके प्रकोप में शहर का गुम हो जाना सही नहीं था। यहां सबसे बड़ी टीस केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर की रही, तो कई परियोजनाओं की लेटलतीफी के बहाने चुभते रहे। जाहिर है यहां कांग्रेस की सही नेतृत्व की खोज पूरी नहीं हुई, तो भाजपा के पाले में सुधीर शर्मा ने बता दिया कि उसके प्रशंसक राजनीति से परे भी हैं। नेताओं का दर्पण मंडी में देखा गया, तो मेरी मंडी-मेरी हस्ती के तिलक पर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के घोड़े ऐसे दौड़े कि वह चक्रवर्ती साबित हुए। भाजपा के भीतर कितने भी धड़े हों, मगर मंडी में पार्टी का संप्रदाय खड़ा करके जयराम ठाकुर अपनी बुलंद तस्वीर पेश करते हैं। कुछ इसी तरह के हालात पैदा करते हुए पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल शिरोमणि बन जाते हैं। सोलन नगर निगम की आस्था बटोर कर बिंदल के पक्ष में हुआ जयघोष बताता है कि यह शख्स पार्टी की कमान को सशक्त बनाने की मशीनरी है। इसी परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस के अध्यक्ष विनय कुमार के लिए शहरों की राजनीति को मापना अभी उनकी परीक्षा ले रहा है। शहरी वकालत की राजनीति में पढ़े लिखे वर्ग का काफी दखल रहता है, इसलिए आगे चल कर शिमला, हमीरपुर, ऊना और बद्दी नगर निगमों के जब चुनाव होंगे, तो राजनीतिक परिस्थितियां और स्पष्ट होंगी। जाहिर तौर पर भाजपा की मशीनरी के सामने, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में एकजुटता, अनुशासन, उत्साह और निरंतरता के सबक लेने की जरूरत है। भाजपा के लिए पालमपुर एक दुखती रग है, तो वहां नेताओं की भीड़ को पार्टी के सांचे में फिट करने की जरूरत भी है।

धर्मशाला, मंडी व सोलन में भाजपा और पालमपुर में कांग्रेस ने अपना जलवा दिखाया, तो इस अंकगणित में कई बड़े नेताओं की असफलताओं का ठीकरा फूटा है। पालमपुर में भाजपा की तमाम शर्तें, वादे और तैयारियां धराशायी हुईं, तो यह मानना पड़ेगा कि बुटेल परिवार के संपर्क और साधना कारगर साबित हुई। बतौर विधायक आशीष बुटेल ने विधानसभा का आधा चुनाव जेब में डाल लिया है। एक बार फिर भाजपा के अनार ने कई नेताओं को बिमारू घोषित कर दिया। पालमपुर की कसमों-वादों पर भाजपा के तमाम बड़े नेता औंधे मुंह गिरे हैं। कभी राष्ट्रीय फलक के सितारे रहे शांता कुमार सरीखे नेता भी अब पालमपुर परिक्रमा से बेदखल हो रहे हैं, तो राजनीतिक खजाने में विपिन सिंह परमार, त्रिलोक कपूर, इंदु गोस्वामी तथा अपनी-अपनी मुद्राओं के माहिर कई नेताओं को आत्मचिंतन कर लेना चाहिए। कांगड़ा के दूसरे नगर निगम धर्मशाला की सौगात कांग्रेस को नहीं मिली, तो यहां के संदेश सत्तारूढ़ दल को पढ़ लेने चाहिए। सत्ता की लावारिस गलियों तथा आवारा हालात तक पहुंचे धर्मशाला शहर की ये सिसकियां हैं या श्राप हैं, जो कांग्रेस को मिले। जाहिर है जो शहर प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी, स्मार्ट सिटी, खेल नगरी, पर्यटन राजधानी, इवेंट सिटी और शिक्षा का हब बना मुस्करा रहा था, उसके छिलके उतर गए, तो यह सहज चुनाव नहीं था। बेशक स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा का कांग्रेस से उतर कर भाजपा का दामन थामना, सत्ता पक्ष की धमनियों को रंजिश से भर गया, लेकिन इसके प्रकोप में शहर का गुम हो जाना सही नहीं था। यहां सबसे बड़ी टीस केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर की रही, तो कई परियोजनाओं की लेटलतीफी के बहाने चुभते रहे।

दृष्टि कोण

पेट्रोल के बढ़ते भाव

पिछले कुछ समय से देश के शहरों और गांवों में एक चिंता लगातार सुनाई दे रही है—पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतें। यह चिंता केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव हर उस नागरिक पर पड़ता है जो रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करता है। जब पेट्रोल महंगा होता है तो उसका असर केवल पेट्रोल पंप तक नहीं रहता; वह परिवहन, खाद्य पदार्थों, निर्माण सामग्री, कृषि लागत और घरेलू बजट तक पहुंच जाता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि को केवल एक आर्थिक घटना मानना पर्याप्त नहीं है। यह एक सामाजिक, राजनीतिक और नीतिगत प्रश्न भी है, जो सरकार, बाजार और नागरिक—तीनों से जुड़ा हुआ है। भारत जैसे विकासशील देश में ऊर्जा केवल आर्थिक गतिविधियों का आधार नहीं है, बल्कि सामाजिक गतिशीलता और विकास की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। देश का विशाल परिवहन तंत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है। यही कारण है कि पेट्रोल के बढ़ते भाव हमेशा जनचर्चा और राजनीतिक बहस का विषय बन जाते हैं। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों को समझने के लिए सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। यदि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो भारत को अधिक भुगतान करना पड़ता है, और उसका असर अंततः खुदरा कीमतों में दिखाई देता है। वैश्विक तेल बाजार केवल आर्थिक कारकों से प्रभावित नहीं होता। इसके पीछे भू-राजनीतिक

परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में तनाव, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, प्रमुख तेल उत्पादक देशों की उत्पादन नीतियां, रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे कारक तेल की कीमतों को प्रभावित करते हैं। किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष या आपूर्ति संकट का असर कुछ ही दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार पर दिखाई देने लगता है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि घरेलू बाजार को इन परिस्थितियों से पूरी तरह अलग नहीं रखा जा सकता। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार एक महत्वपूर्ण कारण है, लेकिन पेट्रोल की कीमतों का पूरा सच केवल वहीं तक सीमित नहीं है। भारत में पेट्रोल और डीज़ल की खुदरा कीमतों में करों की भी बड़ी भूमिका होती है। पेट्रोल की अंतिम कीमत में कच्चे तेल की लागत के अलावा केंद्र सरकार का उत्पाद शुल्क, राज्य सरकारों का मूल्य वर्धित कर (वैट), परिवहन लागत और डीलर कमीशन भी शामिल होता है। यही कारण है कि अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। तेल पर लगने वाले कर सरकारों के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इन करों से प्राप्त आय का उपयोग सड़क निर्माण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के वित्तपोषण में किया जाता है। लेकिन दूसरी ओर यही कर आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी डालते हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है और कर संरचना में कोई राहत नहीं मिलती, तब उपभोक्ताओं को दोहरी मार झेलनी पड़ती है।

नार्वे शतरंज छठा दौर : भारतीय सितारों के लिए कठिन दिन, खिताबी मुकाबला हुआ और रोमांचक

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 के छठे दौर में रोमांच अपने चरम पर रहा। ओस्लो में रविवार को खेले गए सभी तीन मुकाबलों का नतीजा निकला, जिससे खिताब की दौड़ और भी दिलचस्प हो गई। विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेज़ा फिरोज़ा को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने रणनीतिक मुकाबले में धीरे-धीरे दबाव बनाया और अंतिम चरण में बढ़त को जीत में बदल दिया। इस जीत के साथ कार्लसन अंक तालिका में शीर्ष खिलाड़ियों के करीब पहुंच गए, जबकि फिरोज़ा को टूर्नामेंट में अपनी पहली क्लासिकल हार झेलनी पड़ी। दूसरे मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद को लंबे संघर्ष के बाद मात दी। वेस्ली सो ने जटिल परिस्थितियों को बेहतर ढंग से संभाला और एंडगेम में अपने अवसरों का पूरा फायदा उठाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। दिन का तीसरा निर्णायक परिणाम तब आया जब जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को पराजित किया। कीमर ने पूरे मुकाबले में पहल बनाए रखी और मिले अवसरों का लाभ उठाकर विश्व चैंपियन के खिलाफ अहम जीत दर्ज की। छठे दौर के बाद वेस्ली सो नार्वे शतरंज 2026 की अंक तालिका में शीर्ष पर हैं, जबकि अलीरेज़ा फिरोज़ा उनके करीब बने हुए हैं। खिताब की दौड़ अभी पूरी तरह खुली हुई है।

नार्वे शतरंज महिला वर्ग: बिबिसारा असाउबायेवा एकल बढ़त पर महिला वर्ग में भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। दिन के दौरान एक क्लासिकल मुकाबले का फैसला हुआ, जबकि दो मैच आर्मागेडन टाईब्रेकर तक पहुंचे। मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को लंबे संघर्ष के बाद हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू ने धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत की और एंडगेम में बढ़त को जीत में बदल दिया। बिबिसारा असाउबायेवा और भारत की कोनेरू हम्पी के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में असाउबायेवा ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और एक बार फिर एकल बढ़त हासिल कर ली। वहीं अन्ना मुज़िचुक और झू जिनर का क्लासिकल मुकाबला भी ड्रा रहा। आर्मागेडन में झू जिनर ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए। छठे दौर के बाद महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा 9.5 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रीमियर लीगः लिवरपूल को बड़ा झटका, इब्राहिमा कोनाते ने क्लब छोड़ने का फैसला किया

लिवरपूल। लिवरपूल एफसी ने रविवार को पुष्टि की कि उसके स्टार सेंटर-बैक इब्राहिमा कोनाते इस गर्मी में अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब छोड़ देंगे। क्लब और खिलाड़ी के बीच नए अनुबंध को लेकर बातचीत सफल नहीं हो सकी, जिसके चलते कोनाते ने अलग होने का फैसला किया। हालांकि पिछले महीने फ्रांस के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने भरोसा जताया था कि नए अनुबंध पर सहमति बन जाएगी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच बातचीत किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकी। कोनाते के जाने से लिवरपूल को बड़ा झटका लगा है। वह इस सत्र क्लब छोड़ने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। इससे पहले मोहम्मद सलाह और एंडी राबर्टसन भी क्लब से अलग हो चुके हैं। 27 वर्षीय कोनाते ने वर्ष 2021 में लिवरपूल का दामन थामा था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्लब को प्रीमियर लीग, एफए कप और दो लीग कप खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लिवरपूल ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इब्राहिमा कोनाते इस गर्मी में अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब छोड़ देंगे। क्लब ने उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। 2024-25 के खिताबी सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले कोनाते का 2025-26 सत्र अपेक्षाकृत निराशाजनक रहा। उनकी फार्म में गिरावट देखने को मिली, जिसके बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कोनाते का नाम यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मन (पीएसजी) से जोड़ा जा रहा है और माना जा रहा है कि वह जल्द ही फ्रांसीसी क्लब के साथ जुड़ सकते हैं।

आरसीबी लगातार दो बार आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बनी

अहमदाबाद। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र का खिताब जीतने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ऐसी तीसरी टीम बन गयी है जो लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही है। ये कारनाम सबसे पहले, महेंद्र सिंह धोनी की करिश्माई कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 2010 और 2011 में लगातार दो बार खिताब जीतकर किया था। इसके बाद, रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने साल 2019 और 2020 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब, रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने लगातार दूसरे बार खिताब जीत है। उससे गत वर्ष पंजाब किंग्स को हराकर खिताब जीता था जबकि इस साल गुजरात टाइटंस को हराया है। इससे पता चलता है कि टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही आईपीएल के प्लेआफ प्रारुप में क्वालीफायर-1 की विजेता टीम की जीत का क्रम बना हुआ है। 2011 से लागू प्लेआफ प्रारुप में देखा गया है कि लीग स्तर में जिन शीर्ष दो टीमों के बीच क्वालीफायर-1 खेला जाता है, जिसकी विजेता टीम सीधे फाइनल में पहुंची है। इस सीजन में भी आरसीबी ने क्वालीफायर-1 में गुजरात टाइटंस को हराकर फाइनल में जगह बनाने के साथ ही खिताब पर भी कब्जा किया था। यह 19वें सत्र के साथ ही 9वीं बार और कुल मिलाकर 13वीं बार हुआ है जब क्वालीफायर-1 जीतने वाली टीम ने फाइनल मुकाबले पर भी कब्जा किया है।

बार्सिलोना की ओर से खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे फुटबालर बने गार्डन

मैड्रिड। इंग्लैंड के फुटबालर एंथनी गार्डन अब एफसी बार्सिलोना क्लब की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे।

इससे पहले गार्डन न्यूकैसल यूनाइटेड से खेलते थे। वहीं अब बार्सिलोना ने गार्डन के साथ करार की पुष्टि की है। गार्डन को छह साल के लिए शामिल किया गया हैं। इस हस्ताक्षर के साथ वह गैरी लिनेकर और मार्कस रैशफोर्ड के बाद कैटलन क्लब का प्रतिनिधित्व करने वाले इंग्लैंड के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैड्रिड में अपने सफल चिकित्सा परीक्षण के बाद गार्डन के साथ करार पूरा हुआ। बार्सिलोना में शामिल होने के बाद, गार्डन ने अपनी पुरानी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं तीन साल की उम्र से ही इस टीम के लिए खेलने को लेकर उत्साहित था। बचपन में मुझे लगता था कि मैं बार्सिलोना के लिए फुटबाल खेलूंगा, इसलिए मैं स्पैनिश बोलना चाहता था। उन्होंने साथ ही कहा कि न्यूकैसल में उनके एक फिजियो से वह हर दिन बात करते थे और उन्हें बताते थे कि एक दिन वह बार्सिलोना के लिए खेलेंगे। उन्होंने क्लब को दुनिया का सबसे बड़ा क्लब बताते हुए, बार्सिलोना के लिए खेलने के अपने बचपन के सपने को साकार करने पर खुशी जतायी है।

चंडीगढ़ प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले 8 जून से शुरु होंगे

चंडीगढ़

चंडीगढ़ प्रीमियर लीग का चौथा संस्करण 8 जून से 26 जून 2026 तक पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में खेला जाएगा। चंडीगढ़ यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) के अनुसार इसमें क्रिकेट प्रेमियों को अगले 18 दिनों तक रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की छह फ्रेंचाइजी आधारित टीमें ट्राफी के लिए भिड़ेंगी। लीग चरण में कुल 30 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसके बाद दो सेमीफाइनल और एक फाइनल सहित कुल तीन नाकआउट मैच होंगे, जो प्रतियोगिता के अंतिम चरण को और भी रोमांचक बनाएंगे। सभी मैच भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार फ्लडलाइट्स की तेज रोशनी में खेले जाएंगे, जिससे मुकाबलों का आकर्षण और भी बढ़ जाएगा। इस लीग में निरंतरता बनी हुई है, जहां पिछली बार की तीन फ्रेंचाइजियां इस सत्र में भी अपनी जगह बनाए रखी हैं, जबकि क्रिकेट प्रेमियों को तीन नई टीमों को देखने का भी मौका मिलेगा, जिससे प्रतियोगिता और भी दिलचस्प होगी। प्रतिदिन दो रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। पहला मैच दोपहर 3 बजे से शुरू होगा, जबकि दूसरा मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा, जिससे दर्शकों को पूरे दिन क्रिकेट का आनंद लेने का मौका मिलेगा। स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर की फ्लडलाइट्स और खिलाड़ियों तथा दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि हर मैच एक यादगार अनुभव बन सके। लीग के दौरान एक विशेष निगरानी क्षेत्र होगा, और पूरे टूर्नामेंट की व्यवस्थाओं की निगरानी बीसीसीआई अधिकारियों द्वारा की जाएगी, जिससे खेल की निष्पक्षता और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

इस लीग के लिए सभी छह टीमों के कप्तान और कोच की भी घोषणा की गई है। इसमें हिम्स हाक्स की कमान मनन वोहरा संभालेंगे और टीम के कोच रविकांत शर्मा होंगे; मौजूदा चैंपियन चंडीगढ़ किंग्स की अगुवाई एक बार फिर शिवम भांबरी करेंगे, जबकि राजीव नैय्यर टीम के मुख्य कोच होंगे; कैपिटल स्ट्राइकर्स का नेतृत्व अर्जुन आजाद करेंगे और हरी कृष्ण उनके मुख्य कोच के रूप में कार्य करेंगे; ट्राइसिटी बैशर्स के कप्तान देवांग कौशिक होंगे, वहीं धर्मेंद्र राज टीम के कोच की भूमिका निभाएंगे; राक गार्डन वारियर्स के लिए दीपेंद्र कुश कप्तानी करेंगे और विनीत जैन उनके कोच होंगे; और रायल टाइटंस की कप्तानी मोहित सोनी करेंगे, जबकि सुरिंदर सिंह टीम के कोच होंगे।

सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ के नये प्रारुप को लेकर आशंकाएं जतायीं

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स आयोगकी अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं। सिंधु ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा। उन्होंने कहा, यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यह अधिक उम्र वाले खिलाड़ियों के लिए यह मददगार हो सकता है क्योंकि वे अपना करियर 2-3 साल और बढ़ाना चाहेंगे। मैच छोटे होने से फायदा मिलेगा।सिंधु ने कहा कि 21-अंक प्रणाली में आपके पास वापसी करने के लिए 5-6 अंक का समय होता है, लेकिन 15 अंक प्रणाली में वह मौका नहीं मिलेगा।

आईपीएल 2026 एमवीपी बनने के बाद सूर्यवंशी बोले - इस साल मैंने खेल को परिस्थितियों के अनुसार ढालना सीखा

अहमदाबाद

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का पुरस्कार जीतने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि इस सीजन उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करना और मैच की परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को ढालना सीखा है।

रविवार देर रात आरसीबी और गुजरात के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले के बाद आयोजित अवार्ड समारोह में पुरस्कार जीतने के बाद प्रसारकों से बातचीत में वैभव ने कहा, इस सीजन मैंने दबाव में बल्लेबाजी करना सीखा है। मैंने यह भी सीखा है कि परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को कैसे बदला जाए। आप हर मैच में एक जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकते। आपको मैच की स्थिति को समझकर उसी के अनुसार खेलना होता है, खासकर प्लेआफ जैसे बड़े मुकाबलों में।

महज 15 वर्षीय वैभव ने आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए। उन्होंने 48.50 की औसत और 237.31 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बनाकर राजस्थान रायल्स को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनके बल्ले से पांच अर्धशतक और एक शतक भी निकला।

वैभव ने इस सीजन व्यक्तिगत पुरस्कारों पर भी अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने एमर्जिंग प्लेयर आफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर आफ द सीजन, सुपर सिक्सेस आफ द सीजन, आरेंज कैप और एमवीपी आफ द सीजन जैसे सभी प्रमुख सम्मान अपने नाम किए। सीजन के बाद अपनी आगे की योजनाओं पर बात करते हुए वैभव ने कहा कि वह अब अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, मुझे अपनी फिटनेस पर फोकस करना होगा क्योंकि मैं लंबे समय तक क्रिकेट खेलना चाहता हूं और चोटों से दूर रहना चाहता हूं। उन्होंने राजस्थान रायल्स के टीम प्रबंधन और सीनियर खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा, सभी ने मेरा बहुत समर्थन किया है। टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है क्योंकि वे सभी उच्च स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं। उनसे सीखने का मौका मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है।

राधिका पंचोले ने एवरेस्ट अंतराष्ट्रीय कराते स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता

इंदौर। विश्व कराते महासंघ के सानिध्य में नेपाल खेल प्राधिकरण के सहयोग से एवं नेपाल कराते महासंघ के तत्वाधान में दिनांक 29 मई से 2 जून को काठमांडू नेपाल में आयोजित की गई 12 वे माउंट एवरेस्ट कराते स्पर्धा के लिए एलेट स्पोर्ट्स के खिलाड़ी आर डी विक्टोरियस के बैनर तले राधिका पंचोले और राधिका पटेल इंदौर जिले के महू के कादरिया ग्राम की ये दोनों खिलाड़ी ने मध्यप्रदेश को गौरांवित कर दिया। इस स्पर्धा में राधिका पंचोले ने टक्कर पाकिस्तान भूटान जापान और कतर जैसे देशों को क्वालीफाई राउंड में हरा कर नाक आउट में बांग्लादेश को हराकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया इनके कोच शीहान की उपाधि रखने वाले अमय लश्करी है । उन्हें स्पर्धा के मुख्य अतिथि नेपाल सरकार के खेल मंत्री ने आशीर्वाद दिया ।

केप्लर वेसल्स के नाम है एक अनोखा रिकार्ड

जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर केप्लर वेसल्स के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड है जो किसी अन्य खिलाड़ी के नाम नहीं है। वेसल्स एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं तो 100 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद भी कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। एक एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड सनथ जयसूर्या के नाम दर्ज है, जो 34 बार शून्य पर आउट हुए। इस सूची में शाहिद अफरीदी और महेला जयवर्धने जैसे कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल हैं पर वेसल्स हमेशा ही नाबाद रहे।

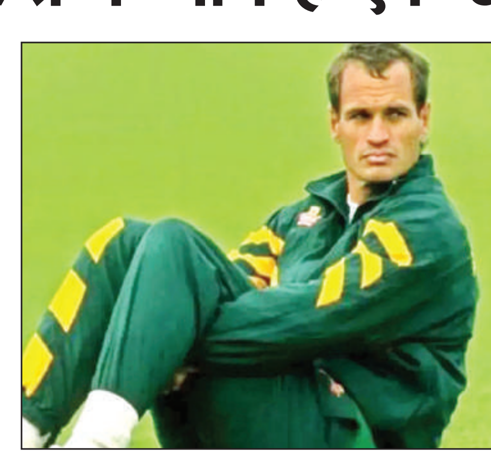

साल 1983 से 1994 के बीच खेले गए अपने एकदिवसीय करियर में वेसल्स ने 109 मैचों में हिस्सा लिया और 105 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए कुल 3367 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शानदार शतक और 26 अर्धशतक भी बनाये, जो उनकी निरंतरता और स्कोर करने की क्षमता का प्रमाण है। वेसल्स उस दौर में खेले, जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मैल्कम मार्शल, रिचर्ड हैडली, इमरान खान और कपिल देव जैसे कई घातक गेंदबाज खेलते थे। इन खतरनाक गेंदबाजों के बावजूद कोई भी इस बल्लेबाज को कभी शून्य पर आउट नहीं कर सका। यही रिकार्ड वेसल्स को बेहद खास बनाता है।

केप्लर वेसल्स का करियर सिर्फ इस अनूठे रिकार्ड के लिए ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारणों से भी विशेष है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वेसल्स ने रंगभेद नीति के कारण देश पर लगे प्रतिबंध के चलते अपने करियर की शुरुआत आस्ट्रेलिया के लिए की थी। उन्होंने 1982 में आस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया और अपने पहले ही टेस्ट मैच में शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया। उन्होंने आस्ट्रेलिया के लिए 24 टेस्ट मैच खेले और सलामी बल्लेबाज के रूप में पहचान बनाई। वहीं जब 1991 में दक्षिण अफ्रीका पर लगा प्रतिबंध हटा, तो वेसल्स अपने देश लौट आए और उन्हें नई दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी सौंपी गई। उन्होंने 1992 के विश्व कप में टीम का नेतृत्व किया और उन्हें सेमीफाइनल तक पहुँचाया। वह दोनों देशों के लिए टेस्ट शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बने और दक्षिण अफ्रीका के पहले एकदिवसीय कप्तान के रूप में भी रिकार्ड बनाया। इस क्रिकेटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 40 टेस्ट मैचों में 2788 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। एकदिवसीय में 3367 रन के अलावा उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 24 हजार से ज्यादा रन और 66 शतक लगाये हैं।, जबकि लिस्ट-ए क्रिकेट में भी उनके नाम 12 हजार से अधिक रन दर्ज हैं।

विश्व कप 2027 की तैयारी में जुटा वेस्टइंडीज, शिमरान हेटमायर की वनडे टीम में वापसी

एंटिगुआ

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी वनडे श्रृंखला के लिए रविवार को टीम की घोषणा कर दी है। स्टार बल्लेबाज शिमरान हेटमायर की एक बार फिर वनडे टीम में वापसी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ चोट से उबरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने के लिए तैयार हैं।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने स्पष्ट किया है कि हेटमायर को 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए टीम में दोबारा शामिल किया गया है। हेटमायर ने आखिरी बार जून 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच खेला था। इसके बाद वह पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई तीन वनडे श्रृंखलाओं से बाहर रहे थे।

हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में हेटमायर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 248 रन बनाए थे। हालांकि आईपीएल 2026 में राजस्थान रायल्स के लिए उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और उन्होंने सात पारियों में सिर्फ 78 रन बनाए।

अल्जारी जोसेफ की वापसी से गेंदबाजी को मजबूती

तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ पीठ की चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं। वह जुलाई 2025 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते नजर आ सकते हैं। उनके साथ तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और जेडन सील्स भी टीम में शामिल हैं, जिनके कार्यभार पर विशेष नजर रखी जाएगी।

वहीं बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती की भी टीम में वापसी हुई है। वह पिछले साल न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा नहीं थे।

चार खिलाड़ियों की छुट्टी

न्यूजीलैंड दौरे वाली टीम से अलिक अथानाजे, जोहान लेन, खैरी पियरे और रोमारियो शेफर्ड को बाहर कर दिया गया है।

विश्व कप क्वालीफिकेशन की दौड़ में वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज इस समय आईसीसी वनडे रैंकिंग में 10वें स्थान पर है और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की दौड़ में बना हुआ है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा रैंकिंग में शीर्ष आठ टीमें सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक अनुशासित और मजबूत वनडे टीम है। उनके अनुसार यह श्रृंखला वेस्टइंडीज के लिए अपनी क्रिकेट पहचान को और मजबूत करने का अवसर होगी। श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैच 3, 6 और 8 जून को जमैका में खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें तीन टी20 और दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भी आमने-सामने होंगी।

श्रीलंका के खिलाफ वेस्टइंडीज वनडे टीम

शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), अकीम आगस्टे, जान कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्डे, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरान हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमार स्प्रिंगर।

ऑल इन वन
मंगलवार, 02 जून, 2026
हैदराबाद
शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संजीवा पार्क एवं गोल्ड-गुड परिवार समूह का सफल पर्यटन भ्रमण सम्पन्न

केरल और तमिलनाडु के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का लिया आनंद

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। संजीवा पार्क एवं गोल्ड-गुड परिवार समूह द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले पारिवारिक पर्यटन कार्यक्रम के अंतर्गत इस वर्ष भी एक विशेष टूर का सफल आयोजन किया गया। समूह के चेयरमैन पी.डी. जाखोटिया द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस वर्ष आयोजित टूर में कुल 39 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। इस पर्यटन यात्रा के दौरान सदस्यों ने केरल एवं तमिलनाडु के विभिन्न प्रसिद्ध धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। यात्रा में श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, कन्याकुमारी स्थित मंदिरों तथा अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों के दर्शन कर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त किया। समूह ने मानसूनी मौसम की सुहावनी फुहारों और प्राकृतिक वातावरण का भी भरपूर आनंद उठाया।

चेयरमैन पी.डी. जाखोटिया ने बताया कि इस टूर का मुख्य उद्देश्य परिवारों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करना तथा नई पीढ़ी को देश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है। इसी उद्देश्य से इस बार के टूर पैकेज में छोटे बच्चों को भी विशेष रूप से शामिल किया गया, जिससे उन्हें परिवार के साथ यात्रा का आनंद लेने और नए अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। इस पारिवारिक पर्यटन यात्रा में रेखा-पी.डी. जाखोटिया, यश-खुशी, अरुणा-अरविंद कामदार, अनिशा सोलंकी, अव्यान एवं अनायरा, निधि जैन, अनुपमा-ललित जैन, मोनिका, दीक्षा एवं ज्ञान, प्रीति-प्रदीप जैन (सीए), प्रांजल, ग्रीवा एवं परिषी जैन, शशि-अरविंद कुमार जैन (सीए), सरोज-राजकुमार अग्रवाल, अनिता-महेश शाह, चिराली शाह, सुमन-निरंजन गोयल, रमीला-अशोक चौधरी, कंचन-इन्द्रचंद देवड़ा, सुनीता-अविनाश मोदी, रीता-राकेश जैन तथा शोभा-सुरेश कोठारी सहित कुल 39 सदस्यों ने भाग लिया।

सभी सदस्यों ने यात्रा को यादगार बताते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के पारिवारिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

येल्लारेड्डी विधानसभा क्षेत्र में एक ही दिन में 700 से अधिक इंदिराम्मा आवासों का गृहप्रवेश

बांसवाड़ा, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक मदन मोहन के प्रयासों से येल्लारेड्डी विधानसभा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई। गरीब परिवारों के पक्के घर के सपने को साकार करते हुए पूरे विधानसभा क्षेत्र में एक ही दिन में 700 से अधिक इंदिराम्मा आवासों में सामूहिक रूप से गृहप्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विधायक मदन मोहन ने रामारेड्डी मंडल के गिद्दा गांव में इंदिराम्मा आवास योजना के लाभार्थियों मोगुल्ला बालमणि शिवराम गौड़, अवुसुला पुरुषोत्तम तथा लक्ष्मी सत्यनारायण के नए घरों के गृहप्रवेश कार्यक्रम में भाग लिया और परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मदन मोहन ने कहा कि आज का दिन येल्लारेड्डी विधानसभा क्षेत्र के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गरीबों के जीवन में खुशहाली और सम्मान लाने के उद्देश्य से शुरू की गई इंदिराम्मा आवास योजना के माध्यम से सैकड़ों परिवार अपने नए घरों में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एक ही दिन में 700 से अधिक घरों में गृहप्रवेश होना पूरे विधानसभा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। यह सरकार की जनकल्याणकारी सोच और गरीबों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विधायक ने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रत्येक गरीब परिवार को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि येल्लारेड्डी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक पात्र परिवार तक इंदिराम्मा आवास योजना का लाभ पहुंचाने के लिए वे निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

नए घरों में प्रवेश करने वाले लाभार्थियों ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए विधायक मदन मोहन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वर्षों से संजोया गया अपने घर का सपना अब साकार हुआ है। लाभार्थियों ने विधायक को ऐसा जनप्रतिनिधि बताया जो लोगों की समस्याओं को समझते हैं और हर गरीब परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं।कार्यक्रम में मंडल कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष, ग्राम सरपंच, ग्राम कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, मंडल कांग्रेस पार्टी के नेता, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

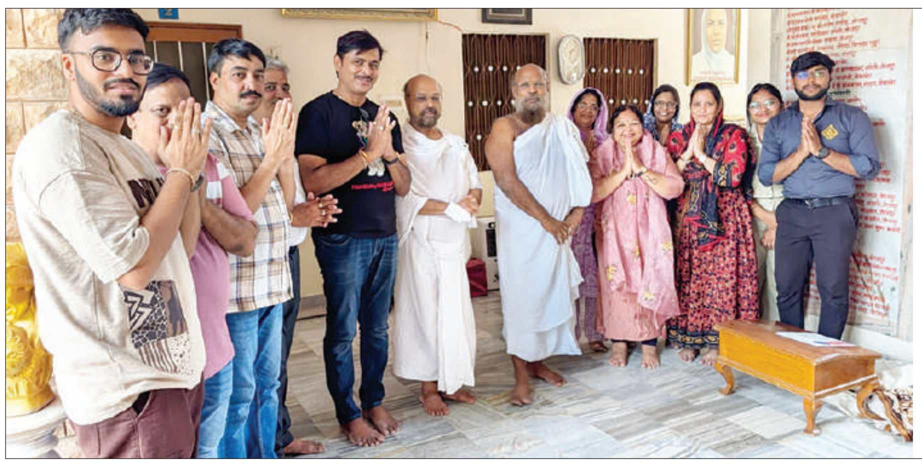

जोधपुर स्थित संबोधि धाम में विराजित राष्ट्र संत चंद्रप्रभजी ललितप्रभजी शांतिप्रियजी म.सा. के दर्शन वंदन करते हुए हैदराबाद के माणक पोकरणा, पुखराज कटारिया, सज्जन गुगलिया, राजेश कटारिया एवं मोहित पोकरणा।

बांसवाड़ा नगर निगम के नए आयुक्त के रूप में गोपू गंगाधर ने संभाला कार्यभार

बांसवाड़ा, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री गोपू गंगाधर ने सोमवार को बांसवाड़ा नगर निगम (म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन) के नए आयुक्त (कमिश्नर) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वे भींगल नगर निगम में आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। स्थानांतरण के उपरांत उन्हें बांसवाड़ा नगर निगम का आयुक्त नियुक्त किया गया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद श्री गोपू गंगाधर ने कहा कि शहर में स्वच्छता प्रबंधन (सैनिटेशन मैनेजमेंट) से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि नगर निगम की सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

नवनियुक्त आयुक्त ने कहा कि शहरवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही शहर के समग्र विकास एवं आधारभूत ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा, जिससे नागरिक सेवाओं में सुधार लाया जा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शांति...

पिछले शुक्रवार को दोनों देशों के बीच सीधी फौजी बातचीत भी हुई जो दशकों में पहली बार थी। इन बातचीत में मुद्दे हैं कि इजरायल लेबनान से कब हटेगा, लेबनानी सेना वहां कब तैनात होगी और हिज्बुल्लाह के हथियार कब और कैसे खत्म होंगे। लेकिन हिज्बुल्लाह इन बातचीत में शामिल नहीं है और उसने साफ कह दिया है कि जब तक इजरायल लेबनान में है, वह हथियार नहीं छोड़ेगा। हिज्बुल्लाह चाहता है कि बातचीत में ईरान की ताकत का इस्तेमाल हो और लेबनानी सरकार को कमजोर मानता है। लेबनान के अपने लोग भी इस पर बंटे हुए हैं। कई लोग हिज्बुल्लाह से नाराज हैं कि उसने देश को तबाही में झोंक दिया। लेकिन साथ ही इजरायल पर भी भरोसा नहीं है। लेबनान के प्रधानमंत्री ने खुद कहा कि यह बातचीत अभी सबसे कम नुकसान वाला रास्ता है लेकिन इससे कुछ नतीजा निकलेगा इसकी कोई गारंटी नहीं है।

ईरान का गुस्सा और बड़ी धमकी

इजरायल सिर्फ लेबनान में ही नहीं लड़ रहा। ईरान के साथ भी उसकी सीधी जंग चल रही है। इस जंग को रोकने के लिए अमेरिका बीच में बातचीत करा रहा थी। यह बातचीत बिचौलियों के जरिए हो रही थी। लेकिन अब ईरान ने एलान कर दिया है कि वह अमेरिका के साथ यह संदेश का आदान-प्रदान बंद कर रहा है। ईरान की तरफ से साफ कहा गया है कि जब तक इजरायल लेबनान और गाजा में हमले बंद नहीं करता, कोई बातचीत नहीं होगी।

ईरान और उसके साथी गुटों ने कहा है कि वे होर्मुज की खाड़ी को पूरी तरह बंद करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके साथ ही बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य को भी बंद करने की बात कही गई है। ये दो ऐसे रास्ते हैं जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और सामान मंगाता है। इन्हें बंद करने का मतलब होगा दुनियाभर में तेल की कीमतें आसमान छूना और समुद्री व्यापार ठप होना।

फ्रांस को ...

मूल्य और लॉजिस्टिक्स पर बातचीत: फ्रांस सरकार जब भारत के एलओआर का जवाब देगीजिसमें विमानों की कीमत, उपलब्धता की समय-सीमा और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट (रखरखाव सहायता) का ब्योरा होगातब दोनों देशों के बीच अंतिम कीमत को लेकर बातचीत शुरू होगी।

सीसीएस की अंतिम मुहर: दोनों देशों के बीच बातचीत पूरी होने के बाद, इस अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर होने से पहले प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) से अंतिम मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

वायु सेना के लिए क्यों जरूरी है यह सौदा?

वर्तमान में भारतीय वायु सेना अपने फाइटर स्काड्रनों की घटती संख्या से जूझ रही है। स्वीकृत नियमों के अनुसार, दो मोर्चों (चीन और पाकिस्तान) पर एक साथ सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए वायुसेना के पास कम से कम 42 लड़ाकू स्काड्रन होने चाहिए, लेकिन वर्तमान में यह संख्या घटकर काफी कम हो गई है। राफेल विमान अपनी अत्याधुनिक रडार प्रणाली, लंबी दूरी की मिसाइलों (जैसे मिटियोर और स्कैल्प) और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमताओं के लिए दुनिया भर में मशहूर हैं। वायु सेना में इन 114 नए राफेल विमानों के शामिल होने से न केवल भारत की सीमाओं पर निगरानी क्षमता मजबूत होगी, बल्कि चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों के मुकाबले भारतीय वायु सेना को रणनीतिक बढ़त भी हासिल होगी।

जहाँ भगवान...

जो देखने में बेहद साधारण और सरल थे। लेकिन, उनके पास गहरा ज्ञान था। लोगों का मानना है कि उन्होंने कई बीमारियों को ठीक किया था और ज़रूरतमंदों की मदद की थी।

ऐसे भी लोगों की मान्यता है कि स्वामी जी नीम के पत्ते, हल्दी और जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल करके लोगों के जीवन से नकारात्मकता और बुरी शक्तियों का असर दूर करते थे। उनकी पहचान एक ऐसे संत की थी, जिनके पास चमत्कारी शक्ति थी और जो लोगों के दुख दूर करते थे। वहीं, लोग स्वामी जी को प्रसाद के रूप में लौकी भी चढ़ाते हैं क्योंकि यह परंपरा उन्हीं के जीवन से जुड़ी हुई है। बताया जाता है कि स्वामी जी जहाँ भी जाते थे, अपने साथ एक लौकी ज़रूर रखते थे। उनका जीवन बेहद सादा और सेवा से भरा हुआ था। वे अपने लिए नहीं, बल्कि गरीब और ज़रूरतमंद लोगों के लिए भिक्षा मांगते थे। इस साधारण सी लौकी को उन्होंने अपने तपस्वी जीवन का हिस्सा बना लिया था। समय के साथ श्रद्धालुओं ने भी उनके इसी त्याग और सादगी को याद करते हुए मंदिर में लौकी चढ़ाना शुरू कर दिया। आज मंदिर की छतों पर लटकी हुई और दीवारों व रेलिंग पर बंधी लौकियाँ यहाँ की सबसे बड़ी और खास पहचान बन चुकी हैं। यहाँ का नज़ारा साफ बताता है कि सच्ची आस्था के लिए महंगे चढ़ावे से नहीं, बल्कि सच्चे मन से होती है।

मंदिर की मान्यता और विशेषता

मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से शरीर और मन की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। यही वजह है कि यह जगह सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और सुकून पाने का एक खास ठिकाना भी मानी जाती है। दरअसल, सोरकाया तेलुगु भाषा में लौकी को कहते हैं। समय के साथ श्रद्धालु भी उनके त्याग, दया और आध्यात्मिक शक्ति को याद करते हुए यहाँ लौकी चढ़ाने लगे।

कैसे पहुँचें और आसपास के आकर्षण

अगर आप यहाँ जाना चाहें, तो यह मंदिर तिरुपति से करीब 38 किलोमीटर दूर है। बेंगलुरु से इसकी दूरी लगभग 250 किलोमीटर और हैदराबाद से करीब 585 किलोमीटर है। सबसे नज़दीकी शहर पुत्तूर है, जो यहाँ से सिर्फ 4 से 5 किलोमीटर दूर पड़ता है। यहाँ पहुँचने के लिए सबसे पहले तिरुपति जाना सबसे आसान रहता है, जहाँ से आप बस, ट्रेन या फ्लाइट से पहुँच सकते हैं। तिरुपति से नारायणवरम तक सड़क मार्ग से बस या टैक्सी आसानी से मिल जाती है। श्री सोराकायला स्वामी मंदिर के आसपास भी कई ऐसी जगहें हैं, जहाँ आप घूम सकते हैं। जैसे तिरुपति बालाजी मंदिर (तिरुमला), श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर, चंद्रगिरी किला, तलाकोना वॉटरफॉल, श्री कालहस्ती मंदिर।

यूपी चुनाव...

यही वजह है कि फरवरी-मार्च की बजाय चुनाव को प्रीपोन (समय से पहले) करके नवंबर-दिसंबर में कराने की संभावनाएँ तलाशी जा रही हैं।सूत्रों के मुताबिक सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी की मीटिंग में नेताओं और कार्यकर्ताओं से साफ-साफ कह चुके हैं कि सरकार वक्त से पहले चुनाव करवा सकती है। बीजेपी के भीतर भी इस बात की चर्चा चल रही है कि हर हाल में वक्त से पहले अगर चुनाव हों तो उसकी तैयारी रखनी चाहिए। हालाँकि, चुनाव आयोग की तरफ से अभी ऐसी कोई बात सामने नहीं आई है, लेकिन यह चर्चा पॉलिटिकल पार्टियों में खासकर बीजेपी और समाजवादी पार्टी के भीतर बहुत तेज़ी से उभरी है कि चुनाव वक्त से पहले हो सकते हैं। देश के पाँच राज्यों में चुनाव हैं और अगर चुनाव वक्त से पहले हुए तो सभी राज्यों में होंगे, अकेले उत्तर प्रदेश नहीं, लेकिन उत्तर प्रदेश में इसकी चर्चा खूब है। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 14 मई 2027 तक है। राज्य में 18वीं विधानसभा के चुनाव मार्च 2022 में संपन्न हुए थे और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार विधानसभा का कार्यकाल इसकी पहली बैठक की तारीख से 5 वर्ष तक होता है। ऐसे में 14 मई से पहले चुनाव ही नहीं बल्कि सरकार के गठन का कार्य पूरा हो जाना चाहिए।

जिताऊ और...

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों का जो रिपोर्ट कार्ड तैयार करा रहा है, उसके आधार पर फीडबैक लेने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके लिए नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। अखिलेश यादव इन दिनों जिले स्तर के नेताओं के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। रिपोर्ट कार्ड के आधार पर स्थानीय नेताओं से फीडबैक लिया जा रहा है।

जिला अध्यक्ष से लेकर विधानसभा अध्यक्ष सहित तमाम नेताओं से विधानसभा सीट पर पार्टी की स्थिति, टिकट दिए जाने वाले उम्मीदवारों के बारे में जानकारी और पार्टी की कमज़ोरी और मज़बूती के कारणों को पूछा जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट और स्थानीय नेताओं के फीडबैक के आधार पर टिकट को अंतिम रूप दिया जाएगा। भले ही मज़बूत दावेदारी हो, पर फीडबैक खराब हुआ तो टिकट नहीं मिलेगा।

अखिलेश नहीं करना चाहते कोई गलती

2027 का विधानसभा चुनाव अखिलेश यादव के लिए सियासी तौर पर काफी अहम है, इसीलिए वो गलती नहीं करना चाह रहे हैं। लोकसभा चुनाव में शानदार सफलता हासिल करने वाली सपा पिछले विधानसभा चुनाव में गलत टिकट वितरण के चलते सत्ता से दूर रह गई थी। इसीलिए 2027 चुनाव के लिए फीडबैक और एजेंसी के सर्वे रिपोर्ट का आपस में मिलान कराया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि इन दोनों के मिलान में जिसकी दावेदारी मतदाताओं की नज़र में मज़बूत मिलेगी, उसे ही टिकट दिया जाएगा। जितनी सीटों पर इस तरह का काम पूरा हो चुका है, उन सीटों पर उम्मीदवारों को धीरे-धीरे क्षेत्र में तैयारी के लिए हरी झंडी दी जा रही है। सपा के सूत्रों का कहना है कि जिन नेताओं को हरी झंडी दी जा रही है, उनको सख़्त हिदायत दी जा रही है कि कोई भी ऐसा काम न करें, जिससे उनकी और पार्टी की स्थिति खराब हो।

शुभेंदु ...

मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की। समारोह में अर्जुन सिंह, तापस रॉय, शरदवत मुखर्जी, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय और शंकर घोष ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही बीजेपी विधायक दीपक बर्मन, मनोज उरांव और गौरी शंकर घोष ने भी शुभेंदु अधिकारी मंत्रिमंडल में नए मंत्रियों के तौर पर शपथ ग्रहण की।

इस प्रशासनिक और राजनीतिक विस्तार में राज्य के अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी शामिल किया गया है। बीजेपी के दिग्गज नेता स्वपन दासगुप्ता और दुध कुमार मोंडल ने भी लोक भवन में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में नए मंत्रियों के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली।

शुभेंदु सरकार के इस नए मंत्रिमंडल में तीन विधायकों को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की जिम्मेदारी दी गई है। बीजेपी विधायक राजेश महतो, इंद्रनील खान और मालती रावा रॉय ने शुभेंदु अधिकारी सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ग्रहण की है।

अशोक डिंडा-जॉयल मुर्मू समेत कई विधायक बने राज्य मंत्री

समारोह में जॉयल मुर्मू, पूर्व क्रिकेटर व विधायक अशोक डिंडा और आनंदमय बर्मन ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। इनके अलावा बीजेपी विधायक शांतनु प्रमाणिक, पूर्णिमा चक्रवर्ती और उमेश राय को भी शुभेंदु अधिकारी कैबिनेट में राज्य मंत्री के तौर पर शामिल किया गया है।

पश्चिम बंगाल सरकार का ये शपथ ग्रहण समारोह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के शपथ लेने के ठीक तीन हफ्ते बाद हुआ है। शुभेंदु अधिकारी ने 9 मई को ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की गरिमामयी उपस्थिति में शपथ ली थी। उनके अलावा इस शपथ ग्रहण समारोह में दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशित प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और खुदीराम टुडू मंत्री पद की शपथ ली। वहीं, बंगाल में मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए बीजेपी ने सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को साधने की कोशिश की है। नए मंत्रिमंडल में ब्राह्मण, ओबीसी, आदिवासी, मतुआ और राजबंशी समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है।

झाड़ू-पोछा...

जीत ने राजनीतिक गलियारों में एक नई मिसाल कायम की है। कलिता माजी पूर्व बर्दवान जिले की गुसकरा नगर पालिका के वार्ड नंबर-3 (माझपुकुर पार) की रहने वाली हैं। कलिता का पारिवारिक जीवन बेहद साधारण और तंगहाली से भरा रहा है। उनके पति एक दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं, जबकि उनके बेटे पार्थ ने इसी साल हायर सेकेंडरी की परीक्षा दी है।

कुछ समय पहले तक कलिता खुद अपने परिवार को सहारा देने के लिए दूसरों के घरों में परिचारिका के रूप में काम करती थीं, जहां वे झाड़ू-पोछा करने और कपड़े धोने का काम संभालती थीं। लेकिन उनकी ईमानदारी और जमीन से जुड़े स्वभाव ने उन्हें पहले जनता का और फिर देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी का चहेता बना दिया।

आउसग्राम विधानसभा सीट बोलपुर लोकसभा क्षेत्र के तहत आती है और कलिता माजी का यह सफर आसान नहीं था। इसके पीछे उनकी पांच साल की कड़ी मेहनत छिपी है। दरअसल, भाजपा ने साल 2021 के विधानसभा चुनाव में भी कलिता माजी को उम्मीदवार बनाकर सबको चौंकाया था। उस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अबेदानंद थंडर ने 1 लाख 392 वोट पाकर जीत हासिल की थी। कलिता माजी 88 हजार 577 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रही थीं और उन्हें 11 हजार 815 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था।

बीजेपी ने साल 2026 में एक बार फिर कलिता माजी पर ही भरोसा जताया और उन्हें दोबारा मैदान में उतारा। इस बार कलिता का मुकाबला तृणमूल के कद्दावर उम्मीदवार, पूर्वी बर्दवान जिला परिषद के अध्यक्ष और पेशे से वकील श्यामाप्रसाद लोहार से था, जबकि सीपीएम की तरफ से चंचल कुमार माजी मैदान में थे। इस त्रिकोणीय मुकाबले में कलिता माजी ने सबको पछाड़ते हुए 1 लाख 7 हजार 692 वोट हासिल किए और टीएमसी के वकील उम्मीदवार श्यामप्रसन्न लोहार को 12 हजार 535 वोटों के बड़े अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

सपने में भी नहीं सोचा था...

मंत्री पद की शपथ लेने के बाद कलिता माजी की आंखें खुशी से छलक उठीं। उन्होंने बेहद सादगी से अपनी पार्टी और शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा, मुझे न तो यह उम्मीद थी और न ही मैंने कभी सपने में भी सोचा था कि मैं कभी जीवन में इस मुकाम तक पहुंच पाऊंगी। मुझे नहीं पता कि पार्टी ने मुझमें ऐसा क्या देखा कि मुझ पर इतना बड़ा भरोसा किया और विश्वास जताया। मैं उस भरोसे पर पूरी तरह खरी उतरने की कोशिश करूंगी। यह मेरे और मेरे समाज के लिए जश्न का मौका है। सिर्फ बीजेपी और मोदी जी ही मुझ जैसी गरीब महिला को यह अवसर दे सकते थे। अब पार्टी का जो भी निर्देश होगा, मैं उसका पूरी तरह पालन करूंगी।

अपनों की जीत पर रो पड़े वे परिवार, जहां कलिता करती थीं काम

कलिता माजी की इस अविश्वसनीय सफलता की खबर जैसे ही उनके इलाके में पहुंची, स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटकर जश्न मनाना शुरू कर दिया। सबसे भावुक कर देने वाला नजारा उन घरों में देखने को मिला, जहां कलिता कुछ समय पहले तक काम करती थीं। वे परिवार कलिता को अपने घर की बेटी की तरह मानते हैं और उनकी कामयाबी देखकर उनकी आंखों से खुशी के आंसू बह निकले।

जंगलमहल आउसग्राम क्षेत्र के निवासियों और कलिता के पड़ोसियों को अब पूरी उम्मीद है कि उनके क्षेत्र का भाग्य बदलेगा। स्थानीय लोगों ने कलिता से मुख्य रूप से तीन मांगें पूरी करने की उम्मीद जताई है। पहली यह कि एक सर्वसुविधायुक्त अस्पताल बनाया जाए, जिसकी स्थानीय निवासियों को सबसे ज्यादा जरूरत है। साथ ही लंबे समय से उपेक्षित पड़ी सड़कों को सुधारा जाए और अच्छी कनेक्टिविटी दी जाए। वहीं, आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए क्षेत्र में एक दमकल केंद्र की स्थापना की जाए।

इस्तीफे...

दावा किया जा रहा है कि टीएमसी के भीतर फूट पड़ चुकी है और कई नेता तथा विधायक अब पार्टी नेतृत्व से दूरी बनाने लगे हैं।

नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर बढ़ा विवाद

बैठकों से विधायकों की दूरी की एक बड़ी वजह पार्टी के भीतर मौजूद गुटबाजी को माना जा रहा है। लंबे समय से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के करीबी नेताओं को प्रमुख पद दिए जाने की परंपरा रही है। इस बार कई विधायकों की नाराज़गी इस बात को लेकर सामने आई कि नेता प्रतिपक्ष के चयन में उनकी राय नहीं ली गई। अब तक पार्टी में ममता और अभिषेक बनर्जी की बात अंतिम मानी जाती थी, लेकिन चुनावी हार के बाद पहली बार विधायकों ने खुलकर असहमति जतानी शुरू कर दी।

विवाद की शुरुआत 6 मई की बैठक के बाद हुई। टीएमसी की ओर से विधानसभा सचिवालय को एक पत्र भेजा गया, जिसमें शोभन देव चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष और फिरहाद हकीम को मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) बनाने की जानकारी दी गई। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों के समर्थन वाला आधिकारिक पत्र माँगा। इसके बाद 13 मई को सांसद और टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने अपने हस्ताक्षर वाला पत्र भेजा। हालाँकि विधानसभा की ओर से फिर विधायकों की सहमति वाला पत्र माँगा गया।

19 मई की बैठक के बाद 70 विधायकों के समर्थन वाला पत्र तैयार किया गया, जबकि बैठक में केवल 45 विधायक ही मौजूद थे। इसके बाद कुछ विधायकों ने आरोप लगाया कि उनके नाम पर फर्जी हस्ताक्षर कर समर्थन पत्र भेजा गया। विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई और जाँच सीआईडी को सौंप दी गई। सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी से जाँच में सहयोग करने और समर्थन पत्र की मूल प्रति उपलब्ध कराने को कहा। जाँच के सिलसिले में सीआईडी की टीम उनके घर भी पहुँची।

टीएमसी के भीतर असंतोष सिर्फ विधायकों तक सीमित नहीं है। 24 मई को बारासात जिले की अध्यक्ष और टीएमसी सांसद डॉ. काकुली घोष दस्तेदार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार को अपनी नाराज़गी की वजह बताया। 26 मई को राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने भी पार्टी के खिलाफ बयान देते हुए कहा कि बंगाल की जनता ने अराजकता का अंत कर दिया है। इसके अगले दिन सांसद काकोली घोष टीएमसी के छह विधायकों के साथ मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के एक सरकारी कार्यक्रम में शामिल होती नज़र आईं। इसे बीजेपी के साथ बढ़ती नज़दीकियों के तौर पर देखा गया।

27 मई को टीएमसी विधायक रतव्रत बनर्जी और संदीपान साहा ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर कथित फर्जी हस्ताक्षर वाले समर्थन पत्र की शिकायत की। इसके बाद ममता बनर्जी ने दोनों विधायकों को पार्टी से बाहर कर दिया। 28 मई को टीएमसी नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद शांतनु सेन ने भी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि टीएमसी विधायकों पर दबाव बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि पुलिस और बीजेपी के लोग विधायकों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें पार्टी छोड़ने के लिए कहा जा रहा है। वहीं पार्टी नेतृत्व का कहना है कि यदि किसी विधायक को किसी प्रक्रिया पर आपत्ति थी तो उसे पार्टी नेतृत्व को पत्र लिखना चाहिए था, न कि विधानसभा अध्यक्ष को। पार्टी का दावा है कि स्पीकर को शिकायत भेजना एंटी पार्टी एक्टिविटी की श्रेणी में आता है।

टीएमसी के भीतर बढ़ती नाराज़गी और लगातार सामने आ रहे विवादों ने यह साफ़ कर दिया है कि चुनावी हार के बाद पार्टी संगठन एक कठिन दौर से गुज़र रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि नेतृत्व इन चुनौतियों से कैसे निपटता है और क्या पार्टी फिर से अपने विधायकों को एकजुट कर पाती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 02 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

महेश बैंक को आयकर विभाग से एसएफटी फाइलिंग में उत्कृष्ट अनुपालन के लिए मिला विशेष सम्मान

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 'स्टेटमेंट ऑफ फाइनेंशियल ट्रांजैक्शंस' (एसएफटी) फाइलिंग में उत्कृष्ट अनुपालन प्रथाओं का प्रदर्शन करने के लिए आयकर विभाग, हैदराबाद के इंटेलिजेंस एवं आपराधिक जांच निदेशालय द्वारा सराहना स्वरूप स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया है। बैंक का प्रतिनिधित्व करते हुए उप प्रबंधक श्रीमती शीतल सोनी ने 29 मई 2026 को आयोजित सम्मान समारोह में यह प्रतिष्ठित स्मृति चिन्ह प्राप्त किया।

नियामक अनुपालन एवं रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए ए.पी. महेश बैंक का चयन तेलंगाना राज्य के उन केवल पांच बैंकों में किया गया, जिन्हें वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान एसएफटी फाइलिंग में सर्वश्रेष्ठ-स्तरीय अनुपालन प्रथाओं के लिए आयकर विभाग के इंटेलिजेंस एवं आपराधिक जांच निदेशालय द्वारा विशेष सराहना हेतु चुना गया।

यह सम्मान बैंक की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है तथा इससे बैंक की प्रतिष्ठा में और वृद्धि हुई है।

प्राप्त चित्र में बैंक के उपाध्यक्ष गोविंद नारायण राठी, निदेशक दीपक कुमार बंग एवं पवन कुमार लोहिया इस प्रतिष्ठित स्मृति चिन्ह के साथ दिखाई दे रहे हैं।

इस अवसर पर बैंक के उपाध्यक्ष गोविंद नारायण राठी ने बैंक के प्रयासों को मान्यता प्रदान करने के लिए आयकर विभाग का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निरंतर समर्पण, परिश्रम और अनुपालन के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए संबंधित कर्मचारियों की विशेष सराहना की।

ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक वर्तमान में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं राजस्थान सहित चार राज्यों में 45 शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। बैंक अपनी स्वर्ण जयंती वर्ष 2028 तक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पात्रता मानदंडों के अधीन पांच नई शाखाएं खोलने की योजना पर कार्य कर रहा है। बैंक अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए स्वयं को एक आधुनिक वित्तीय संस्था के रूप में विकसित कर रहा है, जो नवीनतम तकनीकी सुविधाओं से युक्त उत्पाद एवं सेवाएं प्रदान करती है और किसी भी वाणिज्यिक बैंक के समकक्ष सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।31 मई 2026 तक बैंक का कुल कारोबार (बिजनेस मिक्स) 3,035.70 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। बैंक प्रबंधन को विश्वास है कि वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 4,100 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा, महिला शाखा एवं युवा मोर्चा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में अधिकमास की पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मलकपेट स्थित श्री बालाजी हनुमान मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भगवान श्रीराम एवं श्री हनुमानजी की भक्ति में स्वयं को समर्पित किया।

सुंदरकांड पाठ एवं भजन-कीर्तन की संगीतमय प्रस्तुति के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो उठे। भक्ति गीतों पर श्रद्धालुओं ने आनंदपूर्वक नृत्य करते हुए आध्यात्मिक उल्लास का अनुभव किया। संपूर्ण मंदिर परिसर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोषों से गूंज उठा। कार्यक्रम का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण रहा। सुंदरकांड पाठ के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों एवं श्री हनुमानजी की अतुलनीय भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पाठ में भाग लेकर समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संकल्प भी लिया।

सुंदरकांड का संगीतमय पाठ प्रसिद्ध गायक विक्रम चंदन एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसकी श्रद्धालुओं ने मुक्तकंठ से सराहना की।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल एवं उपाध्यक्ष हरगोविंद अग्रवाल ने भगवान श्री बालाजी एवं श्री हनुमानजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में एकता, सद्भावना एवं आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देते हैं तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज सांघी ने सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों एवं समाजबंधुओं का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शाखा भविष्य में भी समाजहित, धर्मप्रचार एवं सांस्कृतिक जागरण के ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करती रहेगी।

कार्यक्रम में शाखा उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य गोविंद नारायण मोदी, सलाहकार महावीर प्रसाद अग्रवाल, सुरेश गोयल, हरीश चंद्र बजाज, सतीश बंसल, नितिन अग्रवाल, निश्चित अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, सचिव डॉ. मीता बजाज, केंद्रीय समिति सदस्य शीतल रूंगटा, सरोज अग्रवाल, अमिता गुप्ता, युवा मोर्चा अध्यक्ष हर्ष बंसल, सचिव नितेश अग्रवाल, संयुक्त सचिव जितेंद्र गोयल सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

सत्य शक्ति महिला टीवी टॉवर शाखा ने किया छाछ वितरण

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सत्य शक्ति महिला टीवी टॉवर शाखा द्वारा रविवार, 31 मई को पीवीआर मल्कपेट के सामने रसना एवं ठंडी छाछ वितरण सेवा का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों, श्रमिकों एवं आमजन को शीतल पेय पदार्थ वितरित कर राहत प्रदान की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया तथा शाखा के सेवा कार्य की सराहना की। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल, संयुक्त सचिव श्रीमती कविता बंसल, के.एस. सदस्य श्रीमती सुनीता तुलस्यान सहित श्रीमती निर्मला, श्रीमती संतोष, श्रीमती जगदम्बा, श्रीमती सुनीता, श्रीमती सरोज, श्रीमती पूजा, श्रीमती विधि, श्रीमती अनीता एवं अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में शाखा अध्यक्ष रानी मित्तल ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाज-सेवा के ऐसे कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज श्रीनगर कॉलोनी शाखा की वार्षिक सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज श्रीनगर कॉलोनी शाखा की वार्षिक सभा का आयोजन रविवार, 31 मई 2026 को दोपहर 3 बजे बंजारा हिल्स स्थित स्टोन वैली क्लब हाउस में आयोजित किया गया। सभा का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना एवं वंदना के साथ हुआ।

शाखा अध्यक्ष उमाशंकर गोयनका ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए सभा की शुरुआत की। इसके पश्चात शाखा की वर्षभर की गतिविधियों, सामाजिक कार्यों एवं आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। शाखा का गत वर्ष का आय-व्यय एवं लेखा-जोखा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

सभा में शाखा के केन्द्रीय समिति सदस्य एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल को अखिल भारतीय सम्मेलन (दिल्ली) का मुख्य सलाहकार नियुक्त किए जाने पर बधाई दी गई। इस अवसर पर उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही शाखा के संस्थापक अध्यक्ष रामनिवास गुप्ता का भी समाज के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान किया गया।

शाखा अध्यक्ष उमाशंकर गोयनका ने शाखा के विस्तार के लिए अधिक से अधिक नए सदस्यों को जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने शाखा के सदस्यों से सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया।

सभा में सर्वसम्मति से वर्तमान पदाधिकारियों का कार्यकाल वर्ष 2026-27 के लिए बढ़ाने का निर्णय भी लिया गया, जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुभाष अग्रवाल, चेयरमैन, तेलंगाना प्रवासी समाज का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में तेलंगाना प्रवासी समाज की स्थापना, उद्देश्यों एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा समाज के कार्यों से सदस्यों को अवगत कराया।

सभा में संस्थापक अध्यक्ष रामनिवास गुप्ता, अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, तेलंगाना प्रवासी समाज के प्रधान संयोजक सुभाष अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष उमाशंकर गोयनका, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती विभा, राहुल सिंघल, अजय कुमार अग्रवाल, हर्ष गोयनका, जितेंद्र अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त किए तथा सभा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन राहुल सिंघल द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जीतो महिला विंग के 'उड़ान' कार्यक्रम में पारस चैनल परिवार से हुई औपचारिक मुलाकात

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जीतो महिला विंग, हैदराबाद द्वारा क्लासिक गार्डन, सिकंदराबाद में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम 'उड़ान' के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर टेलीविजन के भक्ति चैनल पारस चैनल के डायरेक्टर प्रकाश मोदी के परिवार के सदस्य राहुल जैन एवं अभिलाषा जैन के काउंटर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने औपचारिक मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान मुकेश चौहान जैन, सुरेश संचेती, सुरेश गादिया, अशोक संचेती तथा किशोर संचेती उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में जीतो महिला विंग की सुधा कीमती, टीना शाह, नीतू नाहटा, अनिता गिरिया, अंजू चौरड़िया, रेखा लूनिया सहित अनेक सदस्याओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। दो दिवसीय 'उड़ान' कार्यक्रम में महिलाओं की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने, उद्यमिता को प्रोत्साहन देने तथा सामाजिक सहभागिता को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसे प्रतिभागियों एवं आगंतुकों से उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ।

निस्वार्थ सेवा की मिसाल बन चुका है राधे-राधे ग्रुप : संजय गोयल

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया तथा सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के समाज सेवा के कार्यों में निरंतर जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि ग्रुप का प्रत्येक सदस्य मानव सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म मानते हुए पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है। यही कारण है कि राधे-राधे ग्रुप आज सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं का पर्याय बनता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उनके जीवन में आशा का संचार करना ही इस सेवा अभियान का मुख्य उद्देश्य है। ग्रुप द्वारा वर्षों से निरंतर चलाए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण हैं, जिनसे अनेक लोग सेवा कार्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, गजराज श्रीमाल, प्रीतिका अग्रवाल, महेश अग्रवाल, पाबूराम पीपावत, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, मनीष चिंडालिया, नंद किशोर अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा एवं रविंद्र शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

मसाप-मनस्पर्शी की अंतर्राज्यीय काव्य लेखन प्रतियोगिता 6 से

साहित्य कट्टा हैदराबाद व काव्यपुष्प बने सहयोगी

हैदराबाद, 1 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) मराठी साहित्य परिषद (मसाप) तेलंगाना, इसामिया बाजार-मनस्पर्शी पुष्प पाकल्या के तत्वावधान में आगामी 6 से 10 जून तक 'गणेश स्तवन' विषय पर अंतर्राज्यीय काव्य लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस स्पर्धा में हैदराबाद की साहित्यिक संस्था 'साहित्य कट्टा हैदराबाद' व काव्यपुष्प साहित्य मंच सहयोगी हैं।

मसाप तेलंगाना की अध्यक्षा डॉ. विद्या देवधर एवं प्रतियोगिता संयोजक डॉ. प्रताप पाटिल ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 5 जून की रात 11.59 बजे के बाद 12 बजे से 6 जून की तारीख शुरू होते ही प्रतियोगिता की प्रविष्टियां भेजी जा सकेंगी तथा 10 जून को रात 12 बजे स्वीकृति प्रक्रिया बंद होगी। सोमवार, 15 जून को प्रतियोगिता के परिणाम घोषित होंगे।

प्रतियोगिता के लिए कविता की पंक्तियां न्यूनतम 16 व अधिकतम 20 होना अनिवार्य है।

इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए डॉ. पाटिल (काप्रा, सिकंदराबाद) से फोन नंबर 88856 80018 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्नेह सुगंध लेडीज क्लब की 'बिनाका गीतमाला' थीम पर रंगारंग मासिक गोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्नेह सुगंध लेडीज क्लब की मासिक गोष्ठी का आयोजन 1 जून को बंजारा हिल्स स्थित पनीर पैलेस में उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। क्लब की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रभा दूगड़ ने बताया कि इस माह की गोष्ठी का आयोजन लिली ग्रुप की करुणा अग्रवाल, हेमा केडिया, आशा गुप्ता, शीतल अग्रवाल, संगीता सौंथालिया एवं मधु बंसल द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्लब अध्यक्ष संगीता सिंघवी द्वारा सभी सदस्यों के स्वागत से हुई। सचिव रेणु बंसल ने पिछली गोष्ठी की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात लिली ग्रुप की सदस्याओं ने सभी का स्वागत किया तथा 'थॉट ऑफ द डे' करुणा अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया।

गोष्ठी के दौरान जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ मनाने वाली सदस्याओं को चॉकलेट देकर शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर सभी सदस्याओं ने क्लब अध्यक्ष संगीता सिंघवी की वैवाहिक वर्षगांठ भी हर्षोल्लास के साथ मनाई।

इस माह की विशेष प्रतियोगिता प्रधानमंत्री के 'पेट्रोल बचाओ' संदेश से प्रेरित थीम पर आयोजित की गई। प्रतियोगिता के अंतर्गत सदस्याओं ने कार में साझा यात्रा (कार पूलिंग) कर ईंधन बचाने का संदेश दिया। इस प्रतियोगिता में रेणुका चौरड़िया, आशा केडिया, रेणु बंसल, कुसुम अग्रवाल, मधु अग्रवाल, मधु सुराना, संगीता सिंघवी, राजेशी कोठारी एवं प्रभा दूगड़ विजेता रहीं। सर्वाधिक सदस्याओं को साझा यात्रा में शामिल करने वालों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। गोष्ठी का मुख्य आकर्षण 'बिनाका गीतमाला' थीम पर आधारित अंताक्षरी प्रतियोगिता रही। प्रतियोगिता के लिए आशा, लता, मुकेश और रफी नामक चार समूह बनाए गए। अदनान सामी थीम पर आधारित इस विशेष अंताक्षरी का संचालन शीतल अग्रवाल ने अत्यंत रोचक एवं मनोरंजक शैली में किया।

तेलंगाना सीआईडी ने डाफाबेट बेटिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, अफगान नागरिक सहित 11 गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने सोमवार को डाफाबेट प्लेटफॉर्म से जुड़े एक ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट के सिलसिले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें गुजरात के दो मुख्य आयोजक और एक अफगान नागरिक शामिल हैं।

सीआईडी के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, यह नेटवर्क कई राज्यों में फैले म्यूल बैंक खातों, फर्जी कंपनियों और तकनीकी सहायता टीमों के फैले कॉम्पलेक्स वेब नेटवर्क के जरिये काम कर रहा था। तेलंगाना सीआईडी महानिदेशक चारू सिन्हा ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप और उनसे जुड़े धोखाधड़ी के मामलों की जांच के लिए राज्य सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था जिसने यह मामला उजागर किया है।

करीमनगर के एक निवासी की शिकायत के बाद जांच में तेजी आयी, जिसने 'डाफाबेट प्लेटफॉर्म' पर सट्टेबाजी के चक्कर में करीब 10 लाख रुपये गंवा दिये थे। सुश्री सिन्हा के अनुसार, डाफाबेट की शुरुआत 2004 में फिलीपींस में हुई थी। इसके बाद इसका संचालन यूनाइटेड किंगडम (यूके) से होने लगा। इस मामले में गिरफ्तार किये गये दो मुख्य आयोजक दिल्ली और दुबई दोनों जगहों से अपना दफ्तर चला रहे थे। उन्होंने बताया कि आरोपी लेन-देन पर लगभग 1.5 प्रतिशत का कमीशन कमाते थे। इससे उन्हें रोजाना अनुमानित आठ से 10 लाख रुपये का मुनाफा होता था।

सीआईडी ने 46 म्यूल बैंक खातों से जुड़े लेन-देन के आठ स्तरों के माध्यम से इस खेल का पता लगाया है। संदिग्धों की पहचान करने के लिए जांचकर्ताओं ने मोबाइल फोन, ईमेल खातों और बैंकिंग रिकॉर्ड के फोरेंसिक विश्लेषण का सहारा लिया है। सुश्री चारू सिन्हा ने बताया कि इस पूरे अभियान में करीब छह महीने का समय लगा। इस दौरान करीब 40 कर्मियों वाली सीआईडी की छह विशेष टीमों ने गुजरात, पंजाब और दिल्ली में छापेमारी की। पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपी अपने मोबाइल फोन, सिम कार्ड और ठिकाने लगातार बदलते रहते थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुख्य आयोजक मनीष सिंह (24) और अभिषेक सिंह (26) के रूप में हुई है। इनके अलावा गुजरात के तकनीकी सहायता दल के अजीत सिंह (27), विजय पाटीदार (25), युगल पाटीदार (25) और प्रतीक प्रवीन भाई (25), नयी दिल्ली के इग्नेशियस दास (27), अभिषेक वाधवा (27) तथा अफगान नागरिक मोहम्मद हलीम (24) एवं पंजाब के लव कुमार और सिमरप्रीत सिंह शामिल हैं।

सीआईडी प्रमुख ने बताया कि नेटवर्क के भीतर सभी आरोपियों की अलग-अलग भूमिकाएं थीं। इनमें से दो मुख्य आयोजक के रूप में काम कर रहे थे, वहीं तीन आरोपी कमीशन के लिए म्यूल बैंक खातों का इंतजाम करते थे। इनके अलावा दो आरोपियों ने सट्टेबाजी की रकम को ठिकाने लगाने के लिए फर्जी कंपनियां बनायी थीं और चार आरोपी इस पूरे खेल के लिए तकनीकी सहायता दे रहे थे। उन्होंने बताया कि मामले में गिरफ्तार अफगान नागरिक मोहम्मद हलीम म्यूल बैंक खातों की व्यवस्था करने में शामिल था।

इस कार्रवाई के दौरान जांचकर्ताओं ने तीन लग्जरी गाड़ियां (एक बीएमडब्ल्यू, एक मर्सिडीज-बेंज और एक किआ सेल्टोस) जब्त की हैं।

साथ ही आठ लैपटॉप, दो आईपैड, 26 मोबाइल फोन, पांच पासपोर्ट और नकदी भी बरामद की गयी है। सुश्री सिन्हा ने बताया कि डाफाबेट क्रिकेट मैचों पर सट्टेबाजी, ऑनलाइन कैसीनो गेम्स और 'एविएटर' गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिये लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता था। पीड़ितों को पहले शुरुआत में जीत का लालच दिया जाता था और बाद में उन्हें बड़ा दांव लगाने के लिए उकसाया जाता था, जिससे आखिरकार उन्हें भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि डफाबेट के खिलाफ आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में 225 शिकायतें और 73 मामले दर्ज किये गये हैं।

भोजशाला के सर्वांगीण विकास के लिए सरस्वती कॉरिडोर बनाया जाए : राजा सिंह

धार स्थित मां वाग्देवी मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद रखीं विभिन्न माँगें

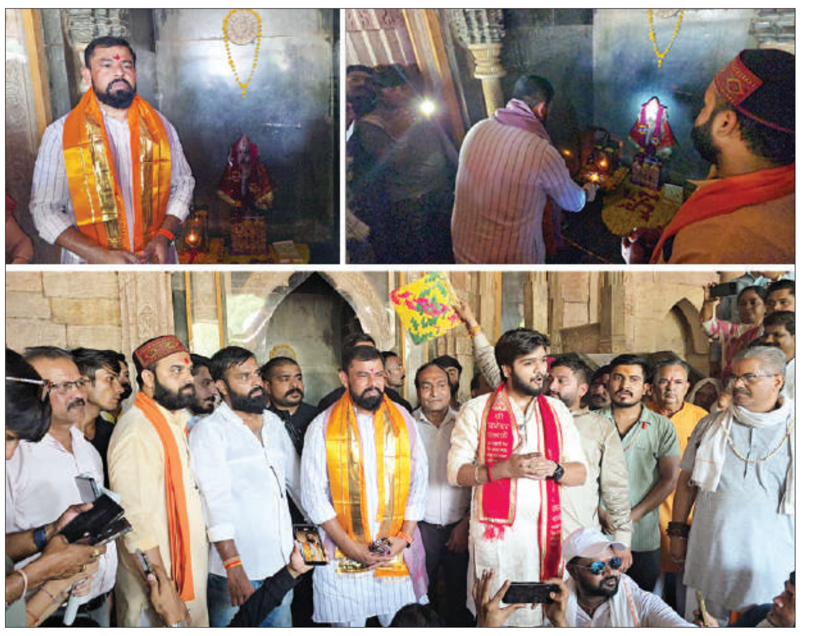

धार/हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधायक राजा सिंह ने मध्य प्रदेश के धार स्थित पवित्र भोजशाला में मां वाग्देवी (सरस्वती) के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 721 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद भोजशाला में हिंदू समाज को पूजा-अर्चना का अधिकार प्राप्त होना प्रत्येक सनातनी के लिए गौरव, आस्था और आत्मसम्मान का विषय है।

उन्होंने कहा कि यह उन असंख्य हिंदू वीरों के संघर्ष, बलिदान और संकल्प की विजय है, जिन्होंने सदियों तक अपनी संस्कृति और आस्था की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए। राजा सिंह ने कहा कि भोजशाला का गौरव पुनर्स्थापित होना केवल एक धार्मिक स्थल से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता और सनातन विरासत के सम्मान का प्रतीक है।

राजा सिंह ने मध्य प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार से मांग की कि भोजशाला के भव्य एवं सर्वांगीण विकास के लिए शीघ्र सरस्वती कॉरिडोर का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि भोजशाला के आसपास हुए सभी अतिक्रमणों को हटाकर इस पवित्र स्थल को विश्वस्तरीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए तथा यहां 'सरस्वती लोक' का निर्माण किया जाना चाहिए।

उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि मां वाग्देवी की ऐतिहासिक प्रतिमा, जो वर्तमान में लंदन में स्थित है, उसे भारत वापस लाने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रतिमा को उसके मूल स्थान भोजशाला में स्थापित किया जाना करोड़ों सनातनियों की आस्था और भावनाओं से जुड़ा विषय है।

राजा सिंह ने कहा कि भोजशाला को पूर्ण रूप से हिंदू समाज को समर्पित किया जाए तथा श्रद्धालुओं को बिना किसी प्रतिबंध के नियमित एवं संपूर्ण पूजा-अर्चना का अधिकार प्रदान किया जाए। उन्होंने मां सरस्वती के इस प्राचीन मंदिर की गरिमा और पवित्रता बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रशासनिक एवं कानूनी कदम उठाने की भी मांग की।

उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार भोजशाला हिंदू समाज के लिए मुक्त हुई है, उसी प्रकार देशभर के उन प्राचीन धार्मिक स्थलों का निष्पक्ष सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए, जहां ऐतिहासिक कारणों से हिंदुओं को पूर्ण पूजा-अर्चना का अधिकार प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक तथ्यों, पुरातात्विक साक्ष्यों एवं संवैधानिक प्रक्रियाओं के आधार पर न्यायपूर्ण निर्णय सुनिश्चित किए जाने चाहिए।

राजा सिंह ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि सत्य, आस्था और संघर्ष की अंततः विजय होती है। आज भोजशाला के गौरव की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जो देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अंत में उन्होंने मां वाग्देवी से प्रार्थना की कि वह समस्त राष्ट्रवासियों को ज्ञान, शक्ति और सद्बुद्धि प्रदान करें तथा भारत को उसकी गौरवशाली सांस्कृतिक पहचान के साथ आगे बढ़ने का आशीर्वाद दें।

फीलखाना संघ के नवनियुक्त ट्रस्टियों का सम्मान

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना ट्रस्ट मंडल में ट्रस्टी पद पर मनोनीत किए गए नवनियुक्त ट्रस्टियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ट्रस्टी रंजना शाह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रस्टी पद पर मनोनीत श्री बाबूलाल सालेचा, श्री भवरलाल बागरेचा एवं श्री मनीष कुमार श्रीश्रीमाल का लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ओर से ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार एवं मुकेश चौहान जैन द्वारा मोमेंटो, शॉल एवं खंडवा भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर रिद्धिश जागीरदार ने कहा कि फीलखाना संघ के वरिष्ठ सदस्य तथा राजस्थान के तलसर पट्टी क्षेत्र के भवराणी निवासी श्री बाबूलाल सालेचा का ट्रस्टी पद पर मनोनयन संघ के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन से संघ की गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान के खंडप निवासी तथा गुजरात के बनासकांठा जिले के कोटड़ी क्षेत्र से जुड़े श्री भवरलाल बागरेचा लंबे समय से संघ एवं विभिन्न धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं को तन, मन और धन से सहयोग प्रदान करते आ रहे हैं। ऐसे सेवाभावी व्यक्तित्व का ट्रस्टी पद पर चयन संघ के लिए गौरव की बात है।

रिद्धिश जागीरदार ने नवनियुक्त ट्रस्ट मंडल से हैदराबाद की गौशालाओं एवं जीवदया से जुड़े कार्यों में अधिकाधिक सहयोग देने का भी आग्रह किया।

मुकेश चौहान जैन ने कहा कि राजस्थान के जोधपुर निवासी श्री मनीष कुमार श्रीश्रीमाल धार्मिक, सेवाभावी एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी हैं। वे पिछले कई वर्षों से साधु-साध्वी भगवंतों के विहार एवं वैयावच्च सेवा में अपने परिवार सहित सक्रिय योगदान देते आ रहे हैं। ऐसे समर्पित सेवाभाव रखने वाले व्यक्तित्व का ट्रस्टी पद पर मनोनयन संघ के लिए अत्यंत आनंददायक एवं प्रेरणादायी है। उन्होंने ट्रस्टी पद पर मनोनीत सभी पुण्यशाली सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। मुकेश चौहान जैन ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष क्रांतिकारी संत आचार्य श्री विमलसागर सूरीश्वरजी महाराज साहेब आदि ठाणा का ऐतिहासिक चातुर्मास आयोजित होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अवसर नवनियुक्त एवं वर्तमान सभी ट्रस्टियों के लिए पुण्य अर्जित करने का अनमोल अवसर लेकर आया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ट्रस्ट मंडल, संघ के सदस्यों एवं समाज के सहयोग से यह चातुर्मास ऐतिहासिक, यशस्वी एवं स्मरणीय बनेगा तथा धर्म प्रभावना के नए आयाम स्थापित करेगा।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत : दीपेंद्र अग्रवाल

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा को मानवता का सर्वोच्च धर्म मानते हुए पूरे उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए दीपेंद्र अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज सेवा, सहयोग और सामाजिक सरोकारों का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसके सेवा कार्यों से होती है और राधे-राधे ग्रुप वर्षों से बिना किसी प्रचार-प्रसार की अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। यही कारण है कि आज यह संगठन लोगों के बीच विश्वास, सम्मान और प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान को भारतीय संस्कृति में सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल एक सामाजिक कार्य नहीं बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य इसी भावना के साथ नियमित रूप से अन्नदान, सामाजिक सहयोग तथा जनसेवा के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। यह सेवा कार्य समाज के प्रत्येक वर्ग को यह संदेश देता है कि यदि सभी लोग अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करें तो समाज में किसी भी व्यक्ति को अभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा।

दीपेंद्र अग्रवाल ने ग्रुप के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि संगठन से जुड़े प्रत्येक सदस्य का समर्पण और सेवा भावना ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। सभी सदस्य अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर मानव सेवा के कार्यों में भाग लेते हैं और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा युवाओं को भी सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, ई. जगन, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, लता गोयल, महेश गोयल एवं रेनू शर्मा ने सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। सभी ने भोजन वितरण व्यवस्था में सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जन सेवा संघ का आजीवन सदस्य सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 01 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ ड्रा आयोजित आजीवन सदस्य सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में संगठन के आजीवन सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रेरण-स्रोत एवं मुख्य अतिथि माननीय श्री वी.के. सिंह तथा पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सम्मेलन में संगठन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा सामाजिक, शैक्षिक एवं संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य अतिथि श्री वी.के. सिंह ने संगठन द्वारा किए जा रहे जनहितकारी कार्यों की सराहना करते हुए समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। वक्ताओं ने आजीवन सदस्यों को संगठन की मजबूती का आधार बताते हुए उनके सहयोग एवं समर्पण की प्रशंसा की।

सम्मेलन के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया तथा संगठन के विस्तार, सदस्य सहभागिता बढ़ाने एवं आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि जन सेवा संघ शीघ्र ही सिद्धिपेट जिले में अपनी नई शाखा का उद्घाटन करने जा रहा है।

सिद्धिपेट से आए सदस्यों श्री प्रदेय सिनवान, श्री के. रामराज, श्री कन्हैया गहलोत, श्री धन्नाराम, श्री माधाराम प्रजापत, श्री जोधाराम देवासी, श्री हराचंद्रम जाट एवं श्री वेणाराम ने संगठन को आर्थिक सहयोग देने का संकल्प लिया।

संघाध्यक्ष श्री बिश्वजीत सिंह, कोषाध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास्तव, श्री राधेश्याम राय यादव, श्री श्रीकांत पांडेय, श्री परमानंद शर्मा, श्री राजीव चौबे, श्री के.डी. चौबे, श्री आर.पी. सिंह, श्री सीताराम ठाकुर, श्री सुनील श्रीवास्तव, श्री डी.डी. तिवारी, श्री एल.एम. चौधरी, श्री परवेज खान, श्री सुरेश पंडित, श्री आलोक श्रीवास्तव, श्री अरुण सिंह राजपुरोहित, श्री सत्यनारायण सर्दीवाल, डॉ. अमित सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, सदस्य एवं समाज-सेवी सम्मेलन में उपस्थित रहे।

अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा सभी प्रतिभागियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर टीएससीएसआई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 1 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर 31 मई को मनाए जाने वाले विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर, टीएससीएसआई (कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ तेलंगाना) ने युवाओं में तंबाकू और निकोटीन की बढ़ती लत के खतरे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए हाथ मिलाया है।

इस अवसर पर बोलते हुए टीएससीएसआई के अध्यक्ष डॉ. मुकेश राव ने कहा, ''इस वर्ष का विषय (थीम), अपील को बेनकाब करना - निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला करना यह उजागर करता है कि कैसे तंबाकू और निकोटीन कंपनियां रंग-बिरंगी पैकेजिंग, मीठे स्वादों (फ्लेवर्स), इन्फ्लुएंसर संस्कृति और सोशल मीडिया मार्केटिंग का उपयोग करके हानिकारक उत्पादों को बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षक, आधुनिक और हानिरहित दिखा रही हैं। किशोरों के बीच फ्लेवर्ड वेप्स, ई-सिगरेट, निकोटीन पाउच और अन्य व्यसनी उत्पादों के उपयोग में चिंताजनक वृद्धि केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है - यह एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी) है।''

टीएससीएसआई ने आगे जोड़ते हुए कहा कि तंबाकू से संबंधित बीमारियों के कारण हर साल 80 लाख (8 मिलियन) से अधिक लोगों की जान चली जाती है। दुनिया भर के लाखों किशोर पहले से ही निकोटीन की लत के जाल में फंस चुके हैं। धूम्रपान और तंबाकू का सेवन लगातार फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, श्वसन संबंधी बीमारी, कम इम्युनिटी (रोग प्रतिरोधक क्षमता) और गंभीर मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा है।

डॉ. मुकेश राव ने अंत में अपील करते हुए कहा, आज, हम हर नागरिक, विशेष रूप से युवाओं से आग्रह करते हैं कि वे तंबाकू को नकारें और स्वास्थ्य, शक्ति व जीवन को चुनें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.